दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 औपनिवेशिक विरासत के सभी अवशेषों को हटाने के लिए काम करना चाहिए : हिमंत

6 कश्मीर में आतंक मचाने के लिए पाकिस्तान के पास कहां से आता है पैसा ?

7 नोटबंदी के बाद कांग्रेस के पंजे में चंदे की पर्ची और पाकिस्तान के दोनों हाथों में कटोरा : केशव मौर्य

फर्स्ट टेक

एक्स का इरादा 2024 के मध्य तक फायनेंशियल प्लेटफार्म बनने का : मस्क

वाशिंगटन/वार्ता। अमेरिका के अरबपति उद्यमी एलन मस्क ने कहा है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स लाइसेंस की मंजूरी मिलने तक 2024 के मध्य तक एक फायनेंशियल प्लेटफॉर्म के रूप में सेवा शुरू करने का इरादा रखता है। मस्क ने एक्स के माध्यम से लाइव बातचीत के दौरान कहा, 'हम मनी ट्रांसफर लाइसेंस के लिए अंतिम मंजूरी मिलने का इंतजार कर रहे हैं। भुगतान शुरू करने में हमें अगले साल के मध्य से अधिक समय लग जाता है।' उन्होंने कहा कि प्लेटफ़ॉर्म ने अधिकांश राज्यों में लाइसेंस प्राप्त किए हैं, लेकिन जब तक कैलिफ़ोर्निया और न्यूयॉर्क लाइसेंस को मंजूरी नहीं देते, तब तक यह प्रयास अप्रासंगिक है। उन्होंने गत जुलाई में कहा था कि उपयोगकर्ता एक्स के माध्यम से अपनी 'संपूर्ण वित्तीय दुनिया' का संचालन करने में सक्षम होंगे।

इस्लामिक स्टेट समूह से संबंधों के संदेह में 304 लोगों को हिरासत में लिया गया : तुर्किये

अंकारा/एपी। तुर्की के सुरक्षा बलों ने पूरे तुर्किये में एक साथ छापे मारकर इस्लामिक स्टेट चरमपंथी समूह से जुड़े होने के संदेह में 304 लोगों को हिरासत में लिया है। गृह मंत्री ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अली येरलिकाया ने कहा कि संदिग्धों को 32 प्रांतों में हिरासत में लिया गया था, लेकिन उनमें से अधिकांश तुर्किये के तीन सबसे बड़े शहरों, इस्तांबुल, अंकारा और इजमिर में थे। इस अभियान को कूट नाम हीरोज 34 दिया गया। येरलिकाया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि इस अभियान को पुलिस, खुफिया इकाई और आतंकवाद विरोधी दस्तों द्वारा संयुक्त रूप से अंजाम दिया गया। संदिग्धों की राष्ट्रीयता के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

पूर्व सहायिका ने विन डीजल पर यौन शोषण का मुकदमा दर्ज कराया

लॉस एंजिलिस/एपी। 'फास्ट एंड फ्यूरियस' स्टार विन डीजल पर उनकी पूर्व सहायिका एस्टा जोनासन ने यौन शोषण का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यह घटना वर्ष 2010 की है जब वह अभिनेता के साथ काम कर रही थीं। एस्टा जोनासन ने बृहस्पतिवार को लॉस एंजिलिस में एक मुकदमा दायर कर आरोप लगाया कि डीजल ने 2010 में अटलांटा के एक होटल में उसका यौन शोषण किया था। मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि उसने होटल के कमरे से भागने की कोशिश की लेकिन अभिनेता ने उसे दबोच लिया तथा उसके साथ जबरदस्ती की।

सूर्यास्त 23-12-2023 5:48 बजे	सूर्योदय 24-12-2023 6:27 बजे
BSE 71,106.96 (+241.86)	NSE 21,349.40 (+94.35)
सोना 6,494 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 80,700 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

झूठों की भरमार

कड़ी सजा का प्रावधान हो,
यदि फर्जी हो एफआइआर।
झूठा होवे यदि गवाह तो,
हो दोषी सम भागीदार।
मगर सबूतों पर आश्रित हैं,
सारे कानूनी हथियार।
कैसे करें फैसला सच पर,
जब हो झूठों की भरमार।।

झारखंड में माओवादियों ने रेलवे ट्रैक उड़ाया, 13 ट्रेनें रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चाईबासा (झारखंड)/भाषा। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के सदस्यों ने रेल पटरियों के एक हिस्से को विस्फोट से उड़ा दिया, जिससे हावड़ा-मुंबई मार्ग पर रेल सेवाएं बाधित हो गईं। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि घटना के कारण कम से कम 13 ट्रेनें रद्द कर दी गईं और एक का मार्ग बदल दिया गया है।

पश्चिम सिंहभूम के पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने बताया कि घटना रांची से करीब 150 किलोमीटर दूर महादेवसाल और पोसोइता रेलवे स्टेशनों के बीच दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर डिवीजन में बृहस्पतिवार देर रात हुई। उन्होंने कहा, इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। रेलवे पटरियों पर मरम्मत का काम सुबह से शुरू कर दिया गया है।

अधिकारी ने बताया कि माओवादियों ने इलाके में बैनर और पोस्टर भी लगाए हैं।

दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल के सहायक वाणिज्यिक प्रबंधक विनीत कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि ट्रेन का परिचालन शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे बहाल कर दिया गया है।

रेलवे की एक विज्ञप्ति के मुताबिक, बृहस्पतिवार रात लगभग 10 बजकर आठ मिनट पर महादेवसाल और पोसोइता रेलवे स्टेशनों के बीच एक विस्फोट हुआ, जिससे खंड की तीसरी लाइन उड़ गई। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। ट्रेनों की आवाजाही को रोक दिया गया है और यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित की गई है।

इंडी गठबंधन नॉर्थ व साउथ में दरार लाने का असफल प्रयास : अनुराग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई/वार्ता। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने शुक्रवार को चेन्नई प्रवास दौरान इंडी गठबंधन को भारत के नॉर्थ और साउथ में दरार लाने का विफल प्रयास करने वाला बताया।

ठाकुर ने शुक्रवार को चेन्नई के ए एम जैन कॉलेज से विकसित भारत संकल्प यात्रा के शहरी वाहनों व माई भारत कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाई। शाम में खेल मंत्री ठाकुर ने चेन्नई के कलैवनार अरंगम में खेलो इंडिया यूथ गेम्स का भव्य शुभारंभ किया। इससे पूर्व केंद्रीय मंत्री ने दोपहर में होटल रेजीडेंसी में सोशल मीडिया इनफ्लुएंसरो के साथ सार्थक परिचर्चा की।

ठाकुर ने इन कार्यक्रमों से इतर चेन्नई में संवाददाताओं से वार्तालाप करते हुए इंडी गठबंधन को भारत के नॉर्थ और साउथ में दरार लाने का विफल प्रयास करने वाला बताया। उन्होंने कहा की इंडी गठबंधन सनातन के खिलाफ दुष्प्रचार करने में लगा है। इन्हें सिर्फ झूठे नैरेटिव खड़ा करना आता है। ये लोग अपनी बातों से अपने आचरण से उत्तर भारत व दक्षिण भारत में दरार पैदा करना चाहते हैं। टुकड़े-टुकड़े गैंग से जुड़े ये लोग भी भारत को टुकड़ों में देखना चाहते हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी से जुड़े सवाल पर ठाकुर ने कहा की उनका आचरण अपरिपक्व, अगंभीर व अलोकतांत्रिक है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी का आचरण सदन व सदन के बाहर शर्मसार करने वाला है। सदन के अंदर युवकों द्वारा फैलाए अराजकता के दौरान जब बाक़ी सांसद स्थिति क़ाबू में करने की कोशिश कर रहे थे, डरे- सहमे राहुल गांधी पूरी ग़ैरज़िम्मेदारी दिखाते हुए वहाँ से भी चुपचाप खिसक लिए।

संसद सुरक्षा उल्लंघन मामला:

ललित झा की पुलिस हिरासत 14 दिन बढ़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। दिल्ली की एक अदालत ने संसद सुरक्षा में सेंध लगाने के कथित मास्टरमाइंड ललित झा की पुलिस हिरासत शुक्रवार को चौदह दिनों (05 जनवरी, 2024 तक) के लिए बढ़ा दी। ललित को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) हरदीप कौर के समक्ष आज पेश किया गया क्योंकि उसकी सात दिन की प्रारंभिक पुलिस हिरासत समाप्त हो गई थी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश कौर ने दिल्ली पुलिस की ओर से दी गयी दलीलें सुनने के बाद मुख्य आरोपी की चौदह दिन की पुलिस हिरासत बढ़ा दी। मास्टमाइंड ललित अब 05 जनवरी तक पुलिस की हिरासत में रहेगा।

मनोरंजन डी संसद सुरक्षा सेंध मामले का सरगना हो सकता है : पुलिस

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ को संदेह है कि संसद सुरक्षा सेंध मामले में गिरफ्तार छह लोगों में शामिल मनोरंजन डी षड़यंत्र का सरगना था और कुछ बड़ा करके सरकार को संदेश देने के लिए यह साजिश रची गई थी। मामले की जांच से अवगत एक सूत्र ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, एक और आरोपी ललित झा ने जांचकर्ताओं को बताया है कि मनोरंजन ने कुछ बड़ा करने के लिए अन्य सदस्यों को प्रेरित किया था और संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने की योजना बनाई थी और झा की भूमिका घटना के बात सबूत मिटाने की थी। मनोरंजन को 13 दिसंबर को संसद के अंदर सागर के साथ गिरफ्तार किया गया था। दोनों लोकसभा के सदन में कूद गए थे, जिसके बाद उन्होंने अपने जूतों के अंदर छिपाकर रखी गई रंगीन धुएं वाली 'केन' खोल दी थी।

देश में कोविड-19 के जेएन.1 स्वरूप के अब तक 22 मामले सामने आए

नई दिल्ली/भाषा। देश में बृहस्पतिवार तक कोविड-19 उपस्वरूप जेएन.1 के 22 मामले सामने आ चुके हैं, जिसमें से 21 मामले गोवा जबकि एक केरल से सामने आया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि गोवा में किसी जगह जेएन.1 स्वरूप तेजी से नहीं फैला है और इससे संक्रमित व्यक्ति ठीक हो चुके हैं और उन्हें संक्रमण संबंधी कोई जटिलता नहीं है। उन्होंने कहा कि जो लोग इसकी चपेट में आए, उनके ऊपरी श्वसन तंत्र में हल्का संक्रमण हुआ और हल्की सूखी खांसी, गला खराब होना जैसे लक्षण दिखे तथा बुखार नहीं आया।

सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि नवंबर में, जेएन.1 स्वरूप का पता लगाने के लिए पूरे जीनोम अनुक्रमण के लिए 62 नमूने इंडियन सार्स-कोव-2 जीनोमिक कंसोर्टियम (आईएनएसएसीओजी) की विभिन्न प्रयोगशालाओं में भेजे गए थे, जबकि दिसंबर में, अब तक 253 नमूने भेजे गए हैं। अब तक कुल 253 नमूने भेजे जा चुके हैं।

सूत्रों ने बताया, देश में 21 दिसंबर तक जेएन.1 उपस्वरूप के 22 मामले सामने आ चुके हैं।

केरल की 79 वर्षीय महिला ठीक हो चुकी है और उसे संक्रमण से संबंधित कोई जटिलता नहीं है।

समाज की सभी समस्याओं का समाधान गीता में है : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुरुक्षेत्र/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि समाज की समस्याओं का समाधान भगवद्गीता में है और इसका संदेश देश और दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचना चाहिए। वह यहां हरियाणा में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में संत सम्मेलन में एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

गृह मंत्री ने कहा कि आजादी के 75 साल बाद कई संतों और महात्माओं ने भगवद्गीता के ज्ञान को पुनर्जीवित किया है। उन्होंने कहा, मैं दुनिया भर के कई विद्वानों से मिला हूं और सभी का मानना है कि पूरी दुनिया की सभी समस्याओं का समाधान गीता के संदेश में है।

महाभारत का संदर्भ देते हुए शाह ने कहा, हम यहां कुरुक्षेत्र की पवित्र भूमि पर बैठे हैं। 5,000 साल से भी पहले भगवान कृष्ण ने अर्जुन को गीता का संदेश दिया था। उन्होंने कहा कि लोगों और समाज के साथ-साथ देश और दुनिया की समस्याओं का समाधान गीता के संदेश में निहित है।

अमित शाह ने चंडीगढ़ में नौ परियोजनाओं का उद्घाटन किया और तीन का शिलान्यास

चंडीगढ़/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां आयोजित एक कार्यक्रम में नौ परियोजनाओं का उद्घाटन किया जबकि तीन अन्य का शिलान्यास किया। इस कार्यक्रम का आयोजन सेक्टर-26 में स्थित चंडीगढ़ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीसीईटी) में आयोजित किया गया था। इन परियोजनाओं पर करीब 400 करोड़ रुपए की लागत आई है। पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित भी इस अवसर पर उपस्थित थे। वह केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक भी हैं। उद्घाटन की गई परियोजनाओं में सेक्टर 26 स्थित सीसीईटी का प्रशासनिक ब्लॉक-सी (डिग्री विंग), सीसीईटी, सेक्टर 12 स्थित पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (पीईसी) में हिमालय हॉस्टल, डिग्गियन में मलजल शोधन संयंत्र, रायपुर कलां में मौजूदा एसटीपी प्लांट का विस्तार, चंडीगढ़ पुलिस परिसर में 192 आवास, धनास और सेक्टर 18 में साइबर संचालन और सुरक्षा केंद्र शामिल हैं।

संसद में आपराधिक कानून विधेयकों पर चर्चा का बहिष्कार करने के लिए शाह ने विपक्ष पर निशाना साधा

चंडीगढ़/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बहाने बनाकर तीन आपराधिक कानून विधेयकों पर संसद में चर्चा का बहिष्कार करने और उपराष्ट्रपति की नकल उतारने के मामले को लेकर शुक्रवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधा।

वह यहां विभिन्न विकास परियोजनाओं की शुरुआत के दौरान एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

केंद्रीय मंत्री ने आपराधिक कानून विधेयकों का जिक्र करते हुए कहा, मैं चाहता था कि विपक्ष इनपर अपने विचार व्यक्त करे। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष ने बहाने बनाकर इन विधेयकों पर चर्चा के बहिष्कार का दुर्भाग्यपूर्ण निर्णय लिया... जब आपराधिक न्याय प्रणाली में बदलाव लाने के लिए (संसद में) चर्चा चल रही थी, तब विपक्षी दलों के सदस्य उपराष्ट्रपति की नकल उतार रहे थे।

शाह सांसदों के निलंबन के खिलाफ संसद की सीढ़ियों पर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन के दौरान तृणमूल कांग्रेस के नेता कल्याण बनर्जी द्वारा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की नकल उतारे जाने का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने कहा, इससे निंदनीय कुछ नहीं हो सकता।

शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना उनपर भी निशाना साधा, जो उस समय बनर्जी की वीडियो बना रहे थे।

कर्नाटक में हिजाब पर लगा प्रतिबंध आज से हट जाएगा

मैसूर/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने शुक्रवार को कहा कि राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पहनने पर जारी प्रतिबंध 23 दिसंबर से हटा दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पहनने और भोजन का चयन व्यक्तिगत मामला है। मैसूरु जिले के नंजनगुड में तीन पुलिस थानों के उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी को भी वोट बैंक की राजनीति में शामिल नहीं होना चाहिए। सिद्दरामैया ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, वे कहते हैं 'सबका साथ, सबका विकास' लेकिन टोपी, बुर्का पहनने वालों और दाढ़ी रखने वालों को दरकिनार कर देते हैं। क्या उनका यही मतलब है।

श्रमजीवी बम विस्फोट कांड के दो आरोपी दोषी करार

जौनपुर/वार्ता। उत्तर प्रदेश में जौनपुर की एक अदालत ने श्रमजीवी विस्फोट कांड के दो आतंकवादियों को दोषी करार कर दिया। श्रमजीवी विस्फोट कांड के आरोपियों हिलालुद्दीन व नफीकुल विशवास को आज कड़ी सुरक्षा के बीच अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (प्रथम) राजेश कुमार राय के यहां पेश किया गया, जहां पर मुकदमे का फैसला होना था। अदालत ने दोनों को दोषी करार करते हुए फैसले के लिए दो जनवरी को तिथि नियत की है । जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी सतीश कुमार पांडेय ने बताया कि श्रमजीवी एक्सप्रेस बम विस्फोट कांड में आरोपी आलमगीर उर्फ रोनी को 30 जुलाई 2016 को एवं आरोपी ओबेदुर्रहमान उर्फ बाबू भाई को 31 अगस्त 2016 को फांसी और 10-10 लाख रुपये जुर्माना की सजा सुनाई जा चुकी है।

बजरंग पूनिया ने प्रधानमंत्री के घर के बाहर फुटपाथ पर रखा पद्मश्री अवॉर्ड

प्रधानमंत्री मोदी को एक लंबा चौड़ा पत्र भी लिखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारतीय पहलवान और ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया ने गुरुवार (22 दिसंबर) शाम अपना 'पद्मश्री' पुरस्कार लौटाने का ऐलान किया और इसके ठीक बाद वह प्रधानमंत्री मोदी को यह अवॉर्ड लौटाने के लिए निकल भी पड़े। लेकिन वह प्रधानमंत्री आवास पहुंच पाते उससे पहले ही उन्हें दिल्ली पुलिस द्वारा रोक लिया गया। जब वह आगे नहीं बढ़ सके तो वह पद्मश्री को फुटपाथ पर ही रखकर लौट गए।

बजरंग पूनिया ने यौन शोषण के आरोपी और भारतीय कुश्ती महासंघ में अपनी तानाशाही चला रहे बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों की शिकायत पर खेल मंत्रालय की अनदेखी के कारण 'पद्मश्री' लौटाने का फैसला किया। उन्होंने इस मामले में प्रधानमंत्री मोदी को एक लंबा चौड़ा पत्र भी लिखा। इस पत्र में उन्होंने अपनी मांगें न सुनी जाने के कारण पद्मश्री पुरस्कार लौटाने की बात कही।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार द्वारा महिला पहलवानों की शिकायतों पर ध्यान नहीं देने के बाद बीते दिन भारत की ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक ने भी कुश्ती छोड़ने का ऐलान किया था। बता दें कि बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ इस आंदोलन का नेतृत्व बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट कर रहे थे।

मानव तस्करी के संदेह में फ्रांस ने रोका 303 भारतीय यात्रियों को ले जा रहा विमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/एजेन्सी। फ्रांस ने भारतीय नागरिकों को लेकर निकारागुआ जा रहे एक विमान को रोक दिया है। इस विमान में 303 भारतीय नागरिक सवार हैं। फ्रांसीसी एजेंसियों को संदेह है कि इस विमान का इस्तेमाल मानव तस्करी के लिए किया जा रहा है। फ्रांसीसी अभियोजकों ने कहा कि विमान को एक अज्ञात सूचना के बाद हिरासत में लिया गया है। यह घटना तब सामने आई है, जब फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को भारत ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया है। मैक्रों ने ट्वीट कर खुद इस न्योते को कबूल करने की जानकारी दी है। मैक्रों को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के इनकार करने के बाद मुख्य अतिथि के लिए आमंत्रण भेजा गया था।

फ्रांसीसी अधिकारियों ने क्या बताया

समाचार एजेंसियों के अनुसार, फ्रांसीसी अधिकारियों ने दावा किया है कि भारत से निकारागुआ जा रहे इस विमान का इस्तेमाल मानव तस्करी के लिए किया जा सकता है। इस विमान ने संयुक्त अरब अमीरात से उड़ान भरी थी। फ्रांसीसी अधिकारियों ने जानकारी दी है कि इन यात्रियों की यात्रा की शर्तों और उद्देश्यों को लेकर न्यायिक जांच शुरू हो गई है। अधिकारी मानव तस्करी के संदेह की जांच कर रहे थे।

इस उड़ान में एक रोमानियाई चार्टर कंपनी के जहाज का इस्तेमाल किया गया था, जिसने दुबई से उड़ान भरी थी। जब पुलिस ने हस्तक्षेप किया तो यह तकनीकी ठहराव के लिए छोटे वैट्री हवाई अड्डे पर उतरा। पुलिस ने कहा, यात्रियों को सर्वोत्तम संभव स्वागत सुविधाएं प्रदान करने के लिए वैट्री हवाई अड्डे पर रिसेप्शन हॉल को अलग-अलग बिस्तरों के साथ एक वेटिंग लाउंस में बदल दिया गया है। फ्रांसीसी अधिकारियों ने अभी तक यह नहीं बताया है कि इन भारतीय नागरिकों को कितने दिन और रखा जाएगा या फिर इन्हें भारत डिपोर्ट करने की कोई तैयारी है।

वितरण

नई दिल्ली में विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान शुक्रवार को आराम बाग में मुफ्त सैनिटरी नैपकिन वितरित करते हुए।

भारत ने डब्ल्यूटीओ में निवेश सुविधा प्रस्ताव पर बातचीत का विरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में निवेश सुविधा पर कुछ देशों के प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के प्रयासों का पुरजोर विरोध किया है। उसने कहा कि एजेंडा डब्ल्यूटीओ को मिली जिम्मेदारी से बाहर है और औपचारिक बैठकों में इसपर विचार-विमर्श नहीं किया जा सकता है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल के बयान के अनुसार, डब्ल्यूटीओ आम परिषद की 13-15 दिसंबर के दौरान आयोजित बैठक में निवेश पर बातचीत विश्व व्यापार संगठन से कतई संबंधित नहीं है।

बयान में कहा गया है, मैं यह दोहराना चाहूंगा कि निवेश को सुगम बनाने से जुड़ा विकास के लिए निवेश सुविधा (आईएफडी) बहुपक्षीय व्यापार संबंधों से संबंधित नहीं है। निवेश अपने आप में व्यापार नहीं है।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि निवेश में परिसंपत्तियों या उद्यमों की एक विस्तृत शृंखला शामिल है। यह अलग बाध्यता का मामला है। बयान में कहा गया, डब्ल्यूटीओ को जो जिम्मेदारी मिली है, उसके तहत निवेश का मामला उठाना उपयुक्त नहीं है। विकास के लिए निवेश सुविधा के इच्छुक सदस्यों को आम सहमति पर बहुपक्षीय मंच पर इसे आगे बढ़ाने की अनुमति नहीं है।

इसमें कहा गया है कि कुछ सदस्यों ने एक अनौपचारिक प्रक्रिया शुरू की थी जो विधि सम्मत नहीं है। और अब अनौपचारिक प्रक्रिया के अंत में, वे परिणाम की तलाश में आम सहमति पर आ गए हैं।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने कहा, डब्ल्यूटीओ में इससे अधिक हास्यास्पद क्या हो सकता है। यह वास्तव में अनिवार्य मुद्दों पर आम सहमित आधारित बातचीत शुरू करने के सदस्यों के संधि के तहत मिले अधिकार का उल्लंघन है...।

मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी) के बाद सामान्य परिषद डब्ल्यूटीओ की निर्णय लेने वाली शीर्ष इकाई है। इसकी बैठक दो साल में एक बार होती है।

मुंबई कोविड केंद्र घोटाला मामला

ईडी ने 12 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति कुर्क की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने धन शोधन की जांच के सिलसिले में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद संजय राउत के कथित सहयोगी सुजीत पाटकर समेत कई लोगों की 12 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति कुर्क की है।

संघीय एजेंसी की जांच मुंबई में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) द्वारा संचालित कोविड देखभाल केंद्रों के गठन में कथित धोखाधड़ी से संबद्ध है।

ईडी ने एक बयान में कहा कि 'लाइफलाइन हॉस्पिटल मैनेजमेंट सर्विसेज' के साझेदार सुजीत पाटकर, डॉ. हेमंत गुप्ता, राजीव सालुंखे, संजय शाह और उनके साथी सुनील कदम उर्फ बाला कदम के खिलाफ कार्रवाई के तौर पर धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत मुंबई में तीन फ्लैट, म्यूच्युल फंड और बैंक में जमा राशि अस्थाई रूप से कुर्क की गई है। कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य 12.24 करोड़ रुपए है। यह जांच दहीसर और वर्ली में स्थित जंबो कोविड केंद्र में कथित अनियमितताओं से जुड़ी है। धन शोधन का मामला मुंबई पुलिस की प्राथमिकी से निकला है।

ईडी ने पाटकर और दहीसर जंबो कोविड केंद्र में बीएमसी के पूर्व डीन डॉ. किशोर बिसुरे को जुलाई में गिरफ्तार किया था और वह न्यायिक हिरासत में अभी एक जेल में बंद हैं।

ये कथित अनियमितताएं तब हुईं जब बीएमसी ने जून 2020 में विभिन्न जंबो कोविड केंद्रों में आईसीयू, ऑक्सीजन बिस्तर और गैर-ऑक्सीजन बिस्तरों में मानव संसाधनों की आपूर्ति के लिए निविदा जारी की। ईडी ने आरोप लगाया कि 'लाइफलाइन हॉस्पिटल मैनेजमेंट सर्विसेज' ने ''अधूरे और जाली दस्तावेजों'' के आधार पर जुलाई 2020-फरवरी 2022 के लिए दहीसर और वर्ली में जंबो कोविड केंद्रा में डॉक्टरों, नर्स और अन्य कर्मचारियों तथा टेक्नीशियंस जैसे स्टाफ सदस्यों की नियुक्ति के लिए ठेका हासिल किया। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया कि लाइफलाइन हॉस्पिटल मैनेजमेंट सर्विसेज के साझेदारों ने बीएमसी कर्मचारियों के साथ ''मिलीभगत'' कर सितंबर 2020 से जून 2022 के बीच बीएमसी प्राधिकारियों से 32.44 करोड़ रुपए हासिल कर लिए।

उसने आरोप लगाया कि राउत के कथित ''करीबी सहयोगी'' पाटकर और लाइफलाइन हॉस्पिटल मैनेजेंट सर्विसेज के अन्य साझेदारों ने संपत्तियां खरीदने, आवासीय कर्ज फिर से चुकाने, रियल एस्टेट कारोबार में निवेश करने के लिए इस निधि में ''हेरफेर'' किया।

एजेंसी ने 15 सितंबर को मुंबई में एक विशेष पीएमएलए अदालत में इस मामले में एक आरोपपत्र दाखिल किया था।

एनआईए ने मानव तस्करी मामले में केरल से एक विदेशी नागरिक को किया गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने मानव तस्करी से संबंधित एक मामले में केरल से एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि बांग्लादेश से अवैध ढंग से भारत में आया सऊदी जाकिर इस संघीय एजेंसी द्वारा गिरफ्तार किया गया 11वां विदेशी है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पिछले महीने मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि पिछले महीने मानव तस्करी गिरोह के खिलाफ देशव्यापी अभियान के दौरान कर्नाटक में जाकिर के घर की तलाशी ली गई थी और वह तभी से फरार था। उन्होंने बताया कि जांच में केरल के कोच्चि में उसके मौजूद होने का पता चला और फिर उसे बृहस्पतिवार को वहां से हिरासत में लिया गया।

एनआईए के एक प्रवक्ता ने बताया कि जांच से पता चला कि आरोपी भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बेनापोल के रास्ते भारत में अवैध रूप से दाखिल हुआ था और फिर कर्नाटक में बेंगलूरु शहर के बेल्लंदूर इलाके में चला गया था। प्रवक्ता के अनुसार, बेल्लंदूर में उसने कबाड़ संग्रहण एवं पृथक्करण इकाई लगाई तथा उन अन्य विदेशियों को काम पर रखा जो भारत में अवैध रूप से घुस आए थे।

उन्होंने बताया कि कर्नाटक के कुछ लोगों के असम, त्रिपुरा तथा सीमा पार के कई देशों के तस्करों के साथ संबंध होने की पुख्ता जानकारी मिलने के बाद एनआई ने सात नवंबर को मानव तस्करी का मामला दर्ज किया था।

प्रवक्ता ने बताया कि जांच में सामने आया कि भारत -बांग्लादेश सीमा से भारत में लोगों की तस्करी कराने वाला बड़ा नेटवर्क सक्रिय है।

अधिकारी ने बताया कि आरोपी उन लोगों को फर्जी आधारकार्ड भी उपलब्ध करा रहे थे जो सीमापार से तस्करी के माध्यम से लाए जाते थे।

इससे पहले एनआईए ने इस मामले में 10 विदेशियों को गिरफ्तार किया था। इससे पहले इस संबंध में भारतीय दंड संहिता तथा अवैध गतिविधि रोकथाम अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

'प्रोफेशनल्स कांग्रेस' ने शुरू किया सदस्यता अभियान, विभिन्न पेशे के लोगों को जोड़ने का प्रयास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस की इकाई 'ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस' (एआईपीसी) ने विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवर लोगों को अपने साथ जोड़ने के लिए शुक्रवार को एक सदस्यता अभियान की शुरुआत की। एआईपीसी के अध्यक्ष प्रवीण चक्रवर्ती ने बताया कि देश को समृद्ध बनाने में अपना योगदान देने की चाहत रखने वाले पेशेवर लोग उनके संगठन के साथ जुड़ सकते हैं।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी के कुछ अन्य नेताओं ने लोगों से एआईपीसी से जुड़ने की अपील की।

चक्रवर्ती ने संवाददाताओं से कहा, हम 'अखिल भारतीय प्रोफेशनल्स कांग्रेस' के लिए नए सिरे से एक सदस्यता अभियान शुरू कर रहे हैं। हम एक प्रगतिशील और समृद्ध भारत के लिए विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवरों को अपने साथ जोड़ने के लिए एक बड़ा अभियान शुरू कर रहे हैं। उन्होंने 'भारत जोड़ो यात्रा' के संभावित दूसरे चरण का हवाला देते हुए यह भी कहा, यह न केवल यात्रा के दूसरे चरण के लिए लोगों को आकर्षित करेगा, बल्कि विभिन्न व्यवसायों में प्रतिनिधित्व के दायरे का भी विस्तार करेगा।

एआईपीसी अध्यक्ष के अनुसार, उनका संगठन छह क्षेत्रों- व्यवसाय, कला एवं संस्कृति, शिक्षा जगत और सामाजिक संगठन, खेल, मुक्त अर्थव्यवस्था और स्व-रोज़गार पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। चक्रवर्ती ने बताया कि लोगों को सदस्य बनाने के लिए एक वेबसाइट 'प्रोफ कांग्रेस डॉट इन' भी शुरू की गई है।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, राजनीति से ज्यादा सशक्त माध्यम परिवर्तन का दूसरा कोई नहीं हो सकता। अगर आपको लग रहा है कि सिर्फ मोहब्बत ही नफरत का एक जवाब है तो आप प्रोफेशनल कांग्रेस का हिस्सा बनकर अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

उनका कहना था, राजनीति में जो दरवाजे आम जनता के लिए बंद किए गए हैं, उसे 'प्रोफेशनल्स कांग्रेस' खोलेगा। इसके माध्यम से आप किसानों, महिलाओं, नौजवानों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ अपनी आवाज उठा सकते हैं। हम चाहते हैं कि हम से ज्यादा से ज्यादा लोग जुड़ें।

गुजरात सरकार ने कक्षा 6 से 8 तक के लिए भगवद गीता पर पूरक पाठ्यपुस्तक जारी की

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात सरकार ने शुक्रवार को 'भगवद्गीता' पर एक पूरक पाठ्यपुस्तक जारी की जिसे अगले शैक्षणिक वर्ष से कक्षा छह से आठ के पाठ्यक्रम में जोड़ा जाएगा। प्रदेश के शिक्षा राज्य मंत्री प्रफुल्ल पानसेरिया ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य छात्रों को भारत की समृद्ध, विविध और प्राचीन संस्कृति एवं ज्ञान प्रणाली से जोड़ना है।

पानसेरिया ने कहा कि यह निर्णय तीन साल पहले केंद्र द्वारा तैयार की गई नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के कार्यढांचे के तहत लिया गया है।

उन्होने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि राज्य शिक्षा विभाग ने एनईपी-2020 के तहत श्रीमद्भगवद्गीता में सन्निहित आध्यात्मिक सिद्धांतों और मूल्यों को कक्षा छह से कक्षा आठ के पाठ्यक्रम में एक पूरक पाठ्यपुस्तक के रूप में शामिल करने का निर्णय किया है।

इस फैसले के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा, इस शैक्षणिक निर्णय के माध्यम से, छात्र 'श्रीमद्भगवद्गीता' की शिक्षा के जरिये भारत की समृद्ध, विविध, प्राचीन संस्कृति और ज्ञान प्रणालियों और परंपराओं पर गर्व और जुड़ाव महसूस करेंगे। उन्होंने कहा कि जो महाकाव्य महाभारत का हिस्सा इस श्रद्धेय ग्रंथ पर पूरक पाठ्यपुस्तक छात्रों के बीच नैतिक मूल्यों को स्थापित करेगी।

पानसेरिया ने कहा, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' के तहत लिया गया यह निर्णय छात्रों के बीच मूल्यों को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

गीता

सूरत में श्रीमद्भागवत गीता चैरिटेबल ट्रस्ट ने शुक्रवार को सूरत में हिंदू अनुष्ठान भागवत गीता वर्षगांठ के अवसर पर 7000 गीता (जिन महिलाओं का नाम गीता है) को एक ही स्थान पर मिलवाया।

राजनीतिक दलों ने राजौरी-पुंछ इलाके में बढ़ते आतंकवादी हमलों पर चिंता जताई

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के राजनीतिक दलों ने सीमावर्ती जिलों राजौरी और पुंछ में हाल के दिनों में आतंकवाद की घटनाओं में वृद्धि को लेकर शुक्रवार को चिंता जताई और सरकार से लोगों में सुरक्षा की भावना को फिर से बहाल करने के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की।

राजनीतिक दलों ने बृहस्पतिवार को पुंछ में हुए आतंकवादी हमले की भी निंदा की जिसमें हथियारों से लैस आतंकवादियों ने घात लगाकर सेना के दो वाहनों पर हमला किया था। इस घटना में सेना के पांच जवान शहीद हो गए थे जबकि दो अन्य घायल हो गए थे। कांग्रेस की जम्मू कश्मीर इकाई के उपाध्यक्ष रवींद्र शर्मा ने आतंकवादी हमले का संदर्भ देते हुए कहा, हम इलाके की स्थिति को लेकर चिंतित हैं। ये जघन्य घटना है। देश के बलों पर हमला खुली चुनौती है। उन्होंने कहा, राजौरी-पुंछ में फिर से आतंकवाद पनप रहा है लेकिन सरकार कह रही है कि इलाके में शांति है। शर्मा ने कहा कि इलाके में तीन दर्जन से अधिक सुरक्षाकर्मी मारे गए हैं जिसकी वजह से लोगों में भय है। उन्होंने आंतकवादियों को मार गिराने और लोगों में सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए सरकार से तत्काल कदम उठाने की मांग की। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष रवींद्र रैना ने हालिया हमले की निंदा करते हुए कहा कि पाकिस्तान को इलाके में फिर से आतंकवाद को जीवित करने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''इलाके की घेराबंदी कर ली गई है और घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को खत्म कर दिया जाएगा।

शिवसेना की जम्मू कश्मीर इकाई के अध्यक्ष मनीष साहनी ने भी स्थिति पर चिंता जताई और इलाके में तत्काल सुरक्षा व्यवस्था और खुफिया तंत्र को मजबूत करने की मांग की।

जरांगे की मांगें बढ़ती जा रहीं, पर महाराष्ट्र सरकार बेबस: भुजबल

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने शुक्रवार को मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे पर तंज कसते हुए कहा कि उनकी मांगें बढ़ती जा रही हैं, पर महाराष्ट्र सरकार बेबस है।

भुजबल ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में चुटकी लेते हुए कहा कि वह उन सभी बातों को वापस ले रहे हैं, जो उन्होंने पहले कहा था। भुजबल ने इसके पहले जरांगे की आलोचना की थी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता ने कटाक्ष करते हुए कहा, मैं भी जरांगे की सभी मांगों का समर्थन करता हूं। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लोग कौन हैं...वे छोटे और गरीब लोग हैं। भगवान भी जरांगे से डर गए हैं। जरांगे के सामने कानून-व्यवस्था क्या है? एक मंत्री को उनके बगल में लगातार तैनात रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार बेबस है। वरिष्ठ ओबीसी नेता और 'महात्मा फुले समता परिषद' के संस्थापक भुजबल ने लाभार्थियों को शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ पाने में सक्षम बनाने के लिए ऐतिहासिक रिकॉर्ड के आधार पर मराठों को कुनबी (ओबीसी) प्रमाण पत्र जारी करने के एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के फैसले के विपरीत रुख अपनाया है।

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब एक दिन पहले ही राज्य के तीन मंत्रियों ने जालना जिले के अंतरवाली सराटी गांव में जरांगे से मुलाकात की थी और उनसे उनकी मांगों पर सरकार की प्रतिक्रिया के लिए अधिक समय देने का आग्रह किया था। हालांकि, जरांगे अपनी 24 दिसंबर की समय सीमा पर अड़े रहे।

जरांगे ने कहा है कि यदि राज्य सरकार 24 दिसंबर तक कानून (आरक्षण के लिए) बनाने पर अपना रुख स्पष्ट करने में विफल रहती है और सभी मराठा लोगों को कुनबी (ओबीसी) प्रमाण पत्र जारी करने के लिए जिलाधिकारियों को आदेश जारी नहीं करती है, तो समुदाय के सदस्य विरोध प्रदर्शन शुरू कर देंगे। इससे पहले, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विधानसभा को बताया था कि पिछड़ा वर्ग आयोग की एक रिपोर्ट की समीक्षा के बाद मराठा समुदाय को आरक्षण प्रदान करने के लिए यदि आवश्यक हुआ तो फरवरी 2024 में विधानमंडल का एक विशेष सत्र बुलाया जाएगा।

दिल्ली आबकारी नीति 'घोटाला' मामला: आप सांसद संजय सिंह की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से संबंधित धन शोधन मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह की जमानत याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। विशेष न्यायाधीश एम.के. नागपाल ने राज्यसभा सदस्य सिंह की जमानत याचिका खारिज की। अदालत के विस्तृत आदेश की अभी प्रतीक्षा है। इससे पहले बृहस्पतिवार को अदालत ने अपनी कार्यवाही स्थगित कर दी थी और कहा था कि वह सिंह की जमानत याचिका पर 22 दिसंबर को फैसला सुनाएगी।

सिंह की जमानत अर्जी पर बहस के दौरान उनके वकील ने कहा था कि सिंह को रिश्वत देने के बारे में आरोपी से सरकारी गवाह बने दिनेश अरोड़ा और अन्य गवाहों के बयानों में विरोधाभास हैं। ईडी ने सिंह के आवेदन का विरोध करते हुए कहा था कि जांच अभी चल रही है और अगर उन्हें जमानत पर रिहा किया गया तो वह जांच में बाधा डाल सकते हैं, सबूतों के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं और गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। धनशोधन रोकथाम एजेंसी ने सिंह को चार अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। ईडी ने आरोप लगाया है कि सिंह ने अब वापस ली जा चुकी आबकारी नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे कुछ शराब निर्माताओं, थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं को आर्थिक लाभ हुआ।

प्रदर्शन

गुवाहाटी में विपक्षी दल के नेताओं ने संसद में सुरक्षा चूक और उसके बाद दोनों सदनों से 146 विपक्षी सांसदों के निष्कासन के मुद्दे पर मोदी सरकार के निरंकुश व्यवहार के खिलाफ शुक्रवार को गुवाहाटी में विरोध प्रदर्शन किया।

लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर शुरू हुई भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की दो दिवसीय बैठक

नई दिल्ली/भाषा। आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों और कार्यक्रमों की रुपरेखा तय करने के लिए शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की दो दिवसीय बैठक राजधानी स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय (विस्तार) में शुरु हुई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भी इस बैठक में शामिल होने की संभावना है। संसद का शीतकालीन सत्र निर्धारित अवधि से एक दिन पहले समाप्त होने के अगले ही दिन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा की अध्यक्षता में यह बैठक हो रही है।

सूत्रों ने बताया कि बैठक में पार्टी के विभिन्न 'मोर्चों' और राज्य इकाइयों ने अपनी मौजूदा संगठनात्मक गतिविधियों का ब्योरा साझा किया। उनके मुताबिक लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की ओर से इन मोर्चों व राज्य इकाइयों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे।

बैठक में केंद्र सरकार की कई कल्याणकारी योजनाओं का कवरेज सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चल रही 'विकसित भारत संकल्प यात्रा, हाल के पांच विधानसभा चुनावों के परिणाम और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर पार्टी के राष्ट्रव्यापी कार्यक्रमों के बारे में भी चर्चा होने की संभावना है।

तमिलनाडु में बारिश से संबंधित घटनाओं में 31 लोगों की जान गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि तमिलनाडु में पिछले दिनों भारी बारिश के कारण राज्य के चार जिलों में 31 लोगों की जान चली गई। सीतारमण ने यहां संवाददाताओं से कहा कि केंद्र सरकार ने तमिलनाडु को 900 करोड़ रुपये की राशि दो किश्तों में जारी कर दी है जिसका इस्तेमाल चालू वित्त वर्ष में किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र, चेन्नई के पास तीन डॉप्लर समेत अत्याधुनिक उपकरण हैं और उसने 12 दिसंबर को ही पूर्वानुमान व्यक्त कर दिया था कि 17 दिसंबर को तेनकासी, कन्याकुमारी, तिरुनेलवेली और तूतीकोरिन जिलों में भारी बारिश होगी। वित्त मंत्री ने आरोप लगाया कि तमिलनाडु जब इस बड़ी आपदा से जूझ रहा था तो राज्य के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दलों के नेताओं के साथ दिल्ली में बैठे थे।

बाड़ में फंसकर मादा तेंदुए की हुई मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उधगमंडलम। तमिलनाडु के उधगमंडलम में एक चाय बागान के समीप बाड़ में फंसकर पांच साल की मादा तेंदुए की मौत हो गई। वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि महिला तेंदुआ बृहस्पतिवार रात को यहां थिट्टुक्कल में लगे बाड़े में फंसी थी और ऐसा प्रतीत होता है कि उसने खुद को छुड़ाने के लिए बहुत मशक्कत की होगी लेकिन वह सफल नहीं हो पाई। अधिकारी के मुताबिक, सूचना मिलने के बाद वन विभाग के कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और तेंदुए को बेहोश किया गया। अधिकारी ने बताया कि तेंदुए को बाड़ से निकालने के बाद जंगल में छोड़ दिया गया।

उन्होंने बताया कि वह खड़ी नहीं हो सकी और तुरंत गिर गई, तथा उसकी मौत हो गई।

वन अधिकारियों ने एक अलग मामले में नीलगिरि जिले के कोटागिरी में हिरण और एक तेंदुए का कथित तौर पर शिकार करने के लिए दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

आधारशिला

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और अन्य लोग शुक्रवार को मैसूरू में किदवई मेमोरियल कैंसर इंस्टीट्यूट के पेरिफेरल कैंसर सेंटर की आधारशिला रखते हुए ।

केरल सरकार बारिश से प्रभावित तमिलनाडु की मदद करेगी : मुख्यमंत्री विजयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने शुक्रवार को यहां कहा कि उनकी सरकार बाढ़ प्रभावित तमिलनाडु के लिए मदद का हाथ बढ़ाएगी और बाढ़ से जूझ रहे परिवारों तक किट के जरिये आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराएगी।

विजयन ने फेसबुक पोस्ट में कहा कि हर किट में उपलब्ध सामग्री और उनकी प्रस्तावित मात्रा की सूची तैयार कर ली गई है।

विजयन ने कहा कि चावल, नमक, चीनी, गेहूं, सूरजमुखी का तेल, बाल्टी, साबुन, दंतमंजन, कंघी, तौलिया और अन्य सामग्री किट में शामिल की जाएंगी।

उन्होंने कहा, ''पड़ोसी राज्य में बाढ़ प्रभावित परिवारों तक आवश्यक सामग्री वाली किट पहुंचाकर उनकी मदद सुनिश्चित करने की मंशा है।''

उन्होंने कहा कि यहां आपदा प्रबंधन प्राधिकारण कार्यालय में विभिन्न सामग्री को एकत्र किया जा रहा है।

तमिलनाडु के दक्षिणी जिले तूतीकोरिन, तिरुनेलवेली, तेनकासी और कन्याकुमारी इस सप्ताह की शुरुआत में भारी बारिश से प्रभावित हुए, जिससे बाढ़ आ गई। बाढ़ के कारण संपत्तियों को नुकसान पहुंचा और कई लोगों की जान चली गई। तेनकासी, कन्याकुमारी और तिरुनेलवेली की सीमा केरल से लगती है।

पोनमुडी ने स्टालिन से मुलाकात की, सजा पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने के पोनमुडी से मुलाकात की और शुक्रवार को उनकी सजा पर चर्चा की। एक ही दिन पहले मद्रास उच्च न्यायालय ने 200611 डीएमके शासन के दौरान आय से अधिक संपत्ति के मामले में पूर्व विधायक को तीन साल की कैद की सजा सुनाई थी। मद्रास उच्च न्यायालय ने गुरुवार को सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) द्वारा दर्ज 2011 के आय से अधिक संपत्ति (डीए) मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत उच्च शिक्षा मंत्री के पोनमुडी और उनकी पत्नी पी विशालाची को तीन साल जेल की सजा सुनाई। . न्यायमूर्ति जी जयचंद्रन ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (पीसीए), 1988 की धारा 13 (1) (ई) के तहत दोनों दोषियों पर 50 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।

कर्नाटक के स्कूलों में लागू हो सकते हैं कोविड दिशानिर्देश

बेंगलूरु में 23 नए कोविड मामले आए सामने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्नाटक में कोविड मामलों की संख्या में वृद्धि के मद्देनजर स्कूली बच्चों के लिए दिशानिर्देश लागू करने पर विचार कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, विभाग स्कूलों की स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और जनवरी के पहले सप्ताह में दिशानिर्देश लागू करने पर विचार कर रहा है। विशेषज्ञों ने कर्नाटक में जनवरी के पहले और दूसरे सप्ताह में मामलों की संख्या चरम पर होने की भविष्यवाणी की है।

अधिकारी स्कूलों में छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए मास्क पहनना अनिवार्य करने पर विचार कर रहे हैं। वे अन्य उपायों के अलावा प्रार्थना के दौरान सामाजिक दूरी, बैठने की व्यवस्था और स्कूल परिसर को साफ रखने के निर्देशों पर भी विचार कर रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि अधिकारी संख्या पर कड़ी नजर रख रहे हैं और नए साल व क्रिसमस समारोह के बाद स्थिति का आकलन करेंगे। वे स्थिति और ताज़ा कोविड मामलों की संख्या का विश्लेषण करने के बाद आगे की कार्रवाई पर निर्णय लेंगे।

कर्नाटक के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, बेंगलूरु में कोविड के 23 नए सकारात्मक मामले सामने आए हैं, इनमें से एक दक्षिण कन्नड़ और बेंगलूरु ग्रामीण जिलों से है, इससे राज्य में कुल मामले 25 हो गए हैं। बेंगलूरु ग्रामीण डीसी डॉ. एन शिवशंकर ने शुक्रवार को देवनहल्ली तालुक के नल्लूर के एक बच्चे में कोविड संक्रमण की पुष्टि की। बच्चे को पहले बुखार और सर्दी के कारण स्पर्श मक्कल धाम में भर्ती कराया गया था। बच्चे को अब अलग कर दिया गया है और तालुक अस्पताल में उसका इलाज किया जा रहा है।

विभाग ने कहा कि कुल सक्रिय रोगियों की संख्या 92 से बढ़कर 105 हो गई है। इनमें से 85 घर पर अलग-थलग हैं, जबकि 20 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नौ का इलाज आईसीयू में किया जा रहा है।

सकारात्मकता दर घटकर 1.6 प्रति हो गई है। एक अधिकारी ने कहा, बुधवार को यह 2.47 प्रतिशत था। मामले में मृत्यु दर शून्य प्रतिशत है। पिछले 24 घंटों में 2,263 कोविड परीक्षण किए गए। इनमें से 1,791 आरटी-पीसीआर और 472 आरएटी थे। 11 लोगों को डिस्चार्ज किया गया।

गत दिनों पीनिया में दिनदहाड़े हुई डकैती के संबंध में 11 लोग गिरफ्तार

- घर के मालिक का ड्राइवर निकला मास्टर माइंड
- गिरफ्तार लोगों से बरामद हुए बड़ी मात्रा में स्वर्ण आभूषण व नगदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गत दिनों पीनिया में एक फैक्टरी मालिक के घर से करीब 60 रुपए मूल्य के नगदी व आभूषणों की दिन-दहाड़े डकैती हो गई थी उसी संबंध में पुलिस ने बेंगलूरु व आसपास के क्षेत्र से करीब 11 लोगों को इस डकैती के संबंध में गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को एक पत्रकार वार्ता में नगर पुलिस आयुक्त डी दयानंद ने बताया कि कुछ दिनों पूर्व पीनिया में एक फैक्टरी मालिक के घर में यह डकैती की घटना घटी थी। शाम को जब एम. रूपेश नामक फैक्टरी मालिक अपनी मां के साथ अपने घर लौटे और आराम कर रहे थे तभी शाम लगभग 7.30 बजे दरवाजे की घंटी बजी। रूपेश ने दरवाजा खोला तो देखा दरवाजे पर 2 लोग खड़े थे जो अपने आप को पुलिस वाला बता रहे थे। रूपेश ने बताया कि तभी उन दो व्यक्तियों के पीछे से 5 और व्यक्ति जबरदस्ती घर में घुस गए। इन अज्ञात लोगों के पास बड़े चाकू, राड, तलवार आदि हथियार थे, जिससे इन्होंने रूपेश और उनकी मां पर हमला कर जबरदस्ती उनके घर से 30 लाख रुपए नगद, सोने के आभूषण व अन्य कीमती सामान की डकैती कर ली। फैक्टरी मालिक रूपेश ने इस घटना की जानकारी पीनिया पुलिस को दी और पुलिस ने सबूत जुटाकर विशेष टीम का गठन कर कार्यवाही चालू कर दी।

पीनिया पुलिस अधिकारियों ने चौकसी दिखाते हुए शहर व आसपास के क्षेत्रों से इस डकैती के संबंध में 11 लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 45लाख 52 हजार रुपए मूल्य के स्वर्ण आभूषण, 23.37 लाख रुपए नगद, 2 मोबाइल, 11 उनके स्वयं (दोषियों) के मोबाइल, 3 लॉग धारदार हथियार, 1 राड, एक कार, 2 दोपहिया वाहन आदि बरामद किए हैं।

पुलिस आयुक्त ने बताया कि गिरफ्तार लोगों में केजीहल्ली का नामी बदमाश नवाज पाशा(27), वनविभाग का सहायक वन अधिकारी सुरेन्द्र (40), चित्रदुर्गा का श्रीधर (27), नेलमंगला का वसंतकुमार(41), विनोबानगर का साहिल पाशा(26),एमबीआर लेआउट का शेख शहबाज कलन्दर (27), केजी हल्ली का उस्मान खान(24), नागसान्द्रा का अनिलकुमार (34),डी नागराज(33), मंड्या के सुरेश (33) तथा यशवंतपुर के वसंतकुमार (38) शामिल है। पुलिस आयुक्त ने बताया कि इस घटना में मास्टर माइंड नागसान्द्रा का रहने वाला डी नागराज (33) है जो कि पहले रूपेश के यहां ड्राइवर के रूप में काम करता था। नागराज फैक्टरी मालिक रूपेश की आर्थिक व पारिवारिक स्थिति व हालात जानता था। नागराज को मालूम था कि रूपेश अपने घर में बड़ी मात्रा में नगदी रखता है तथा उसके घर पर बड़ी संख्या में सोने के आभूषण भी थे तथा उसी ने इस घटना की योजना बनाई और अन्य लोगों से सम्पर्क कर इस घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि पुलिस कठोरता से इन गिरफ्तार लोगों से पूछताछ कर रही है तथा पूरे घटना की जानकारी प्राप्त करने की कोशिश कर रही है।

किसान शिक्षा संस्थान के वरिष्ठ विद्यार्थियों के लिए फ़्यूज़न कार्यक्रम 7 जनवरी को

मंड्या। तालुक के हनाकेरे गांव के किसान शिक्षा संस्थान में वरिष्ठ छात्रों की एक प्रारंभिक बैठक आयोजित की गई और 7 जनवरी को एक फ्यूजन कार्यक्रम की योजना बनाई गई। संस्था के अध्यक्ष एचपी महेश ने शिरकत करते हुए कहा कि किसान शिक्षा संस्थान ने देश के लिए बहुत बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि हमारे शिक्षण संस्थान से पढ़े छात्र आज हर क्षेत्र में अपना कैरियर बना रहे हैं। इसी प्रकार हमारा शिक्षण संस्थान न केवल शिक्षा पर जोर देता है बल्कि एनएसएस एवं विभिन्न खेल गतिविधियों में भी भाग लेकर उच्च स्तर पर नाम कमा रहा है। उन्होंने कहा कि जी-7 ग्रुप के विद्यार्थियों के लिए एक फ्यूज़न प्रोग्राम 7 जनवरी को आयोजित किया जा रहा है। किसान शिक्षा संस्थान के वरिष्ठ छात्रों के एकीकरण के लिए यह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। बैठक में प्रधान शिक्षक आरडी कृष्णा, व्याख्याता केटी पुष्पलता, शिक्षक सूडान और कई वरिष्ठ छात्रों ने भाग लिया।

दपरे और जेएसडब्ल्यू मिनरल्स रेल लॉजिस्टिक्स के बीच समझौता हुआ

5 बीओबीएसएनएस रेक का किया जाएगा संचालन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बली/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) और जेएसडब्ल्यू मिनरल्स रेल लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच शुक्रवार को एक समझौता हुआ है। यह 05 बीओबीएसएनएस रेक के संचालन के लिए है, जो अनलोडिंग के वास्ते 'साइड डिस्चार्ज' व्यवस्था के साथ विशेष प्रकार के वैगन होते हैं, जिनका उपयोग मिनरल एंटरप्राइजेज लिमिटेड साइडिंग, ससालू और स्वामीहल्ली की खदानों से तोरणगल्लू में जेएसडब्ल्यू के इस्पात संयंत्र तक लौह अयस्क के परिवहन के लिए किया जाएगा। यह 07 रेक के अतिरिक्त है, जिसके लिए 17 अक्टूबर को समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।

इस तरह कुल 12 बीओबीएसएनएस रेक जेएसडब्ल्यू मिनरल्स रेल लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्राप्त किए जाएंगे। रेक का निर्माण टीटागढ़ रेल सिस्टम लिमिटेड, कोलकाता द्वारा किया गया है और पहली रेक अप्रैल 2024 से संचालित होने की उम्मीद है। जेएसडब्ल्यू मिनरल्स रेल लॉजिस्टिक्स प्रा.लि. प्रति रेक 29.57 करोड़ रुपए का निवेश कर रही है। हर बुकिंग पर ग्राहक को बेस फ्रेट पर 10 प्रतिशत की छूट दी जाती है। बीओबीएसएनएस वैगन की शुरुआत से वैगन टिपलर या मैन्युअल रूप से अनलोडिंग की कठिनाई कम हो जाएगी। इस रेक की क्षमता 59 बीओएक्सएन रेक से 3.5 प्रतिशत ज्यादा है और यह नियमित बीओएक्सएन रेक की तुलना में माल की प्रति रेक अनलोडिंग समय में लगभग दो घंटे की बचत करेगा। समझौते पर दपरे के मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक/फ्रेट मार्केटिंग ए सुंदर और जेएसडब्ल्यू के कार्यकारी उपाध्यक्ष (योजना और लॉजिस्टिक्स) सुशील नोवाल ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर दपरे के प्रधान मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक सत्य प्रकाश शास्त्री, दपरे के उप मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक, माल ढुलाई सेवा अरविंद हर्ले जी और जेएसडब्ल्यू के अधिकारी मौजूद थे।

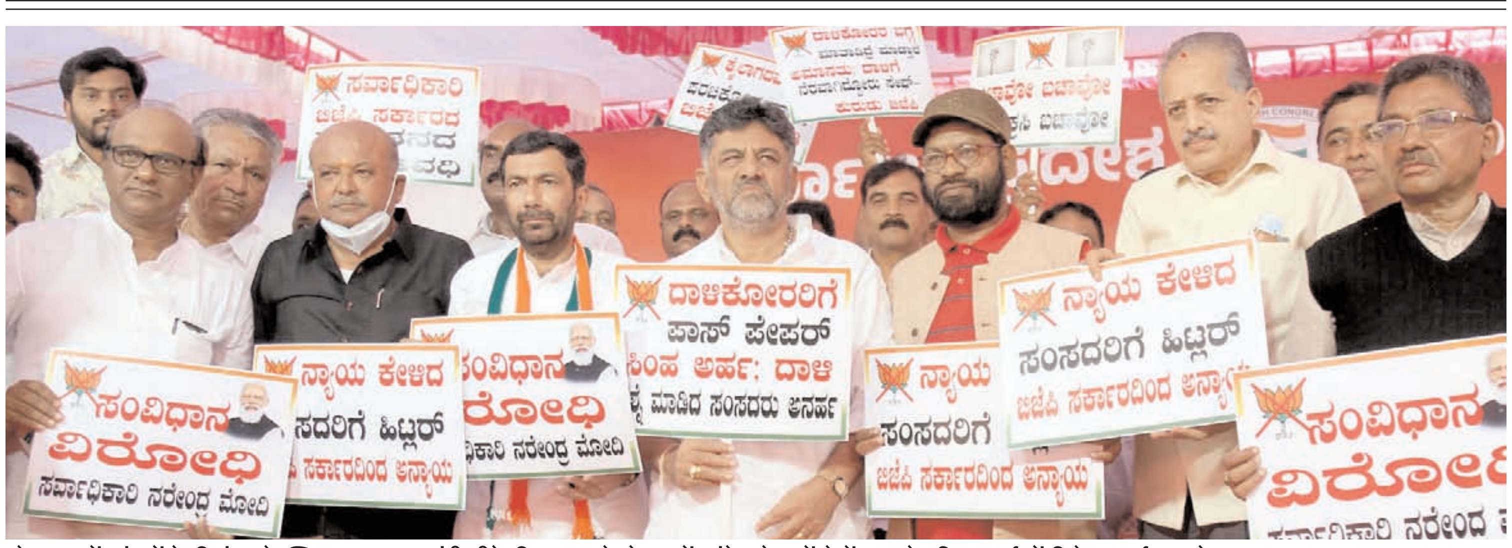

लोकसभा में सांसदों के निलंबन के खिलाफ उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन करते हुए।

सांसदों का निलंबन लोकतंत्र की हत्या है : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु।कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने शुक्रवार को कहा कि लोकसभा और राज्यसभा से 146 सांसदों का निलंबन लोकतंत्र की हत्या है और यह तानाशाही प्रवृत्ति दर्शाता है। कांग्रेस ने संसद की सुरक्षा में चूक मामले पर केंद्र से जवाब मांगने पर सांसदों के निलंबन के विरोध में बेंगलूरु में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्षी सदस्यों को संसद से दूर रखकर महत्वपूर्ण कानून पारित किए गए।

सिद्दरामैया ने संवाददाताओं से कहा, लोकतंत्र कहां है? लोकतंत्र में सरकार को विपक्षी दलों को सुनना चाहिए। वह यह नहीं कह सकती कि उनकी बात नहीं सुनेगी। जनता ने चुने हुए प्रतिनिधियों को जनादेश दिया है, चाहे वह लोकसभा में हो या विधानसभा में। अध्यक्ष या अन्य किसी के पास इसे छीनने की शक्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि एक बार में इतने सारे सदस्यों को निलंबित करने का कोई उदाहरण इतिहास में नहीं मिलता, यह पहली बार है।

सिद्दरामैया ने कहा, यह लोकतंत्र की हत्या है। वे लोगों की भावनाओं का सम्मान नहीं कर रहे हैं। ये तानाशाही प्रवृत्ति है। वे सभी को दूर रखकर कानूनों में संशोधन कर रहे हैं और विधेयक पारित कर रहे हैं। यह क्या दर्शाता है? इससे साफ पता चलता है कि यह सरकार तानाशाह है। इस बीच बेंगलूरु में उपमुख्यमंत्री एवं पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डी के शिवकुमार के नेतृत्व में कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाजपा को संविधान विरोधी और तानाशाह बताते हुए नारे लगाए।

दिनेश गुंडू राव का बयान देश में अघोषित आपातकाल लागू

मंगलूरु। कर्नाटक के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के तानाशाही रवैये के कारण देश में अघोषित आपातकाल है। वह संसद से 146 सांसदों के निलंबन की निंदा करने के लिए शुक्रवार को शहर में मिनी सौधा के पास डीके जिला कांग्रेस द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन को संबोधित कर रहे थे। राव ने निलंबन को लोकतंत्र का नरसंहार करार दिया।

व्यवस्थाओं में भारी चूक के कारण संसद में सुरक्षा उल्लंघन हुआ, लेकिन गृह मंत्री द्वारा सदन में स्पष्टीकरण जारी करने के लिए कहने के बाद सांसदों को निलंबित कर दिया गया। पूछताछ की अनुमति नहीं। उन्होंने कहा, जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर विपक्षी नेताओं को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि अगर मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने तो भारतीय संविधान भी नहीं बचेगा। दिनेश गुंडू राव ने कहा कि ऐसे परिदृश्य की ओर अग्रसर है जहां असहमति के लिए कोई जगह नहीं है, बल्कि केवल प्रधानमंत्री मोदी के प्रति श्रद्धा है और उन्होंने कहा कि अधिनायकवाद के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी।

प्रशिक्षण केंद्र की आधारशिला रखी गई और पत्रिका भवन का उद्घाटन भी मेरे द्वारा किया जाएगा : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि धारणाओं से खबरें बनाना बढ़ गया है और यह एक बुरा विकास है। वे जिला पत्रकार संघ के पत्रिका भवन एवं प्रशिक्षण केंद्र का शिलान्यास करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने इस दौरान कहा की कि यदि संविधान के विरोधियों से सवाल नहीं किये जायेंगे, उनके साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जायेगा तो हम मीडिया को समाज का चौथा स्तम्भ कैसे कह सकते हैं?

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज में आज भी असमानता है, संविधान के खिलाफ बोलने वाले लोग आज भी मौजूद हैं पत्रकारों को ऐसे लोगों से समाज को होने वाले नुकसान के बारे में विश्लेषणात्मक ढंग से लिखना चाहिए। उन्होंने कहा कि मीडिया क्षेत्र व्यावसायिकता विहीन व्यवसाय बन गया है जो कि एक अस्वास्थ्यकर विकास है। मैसूरु, एक समय छोटे समाचार पत्रों का केंद्र था और पत्रकारिता में अपनी उत्कृष्टता के लिए जाना जाता था। उन्होंने आगे कहा कि यदि पाठकों में मीडिया के प्रति उत्सुकता और रुचि खत्म हो गई है तो इसका कारण व्यावसायिकता की कमी है।

अगर मेरी गाड़ी पर कौआ भी बैठ जाए तो आप खबर बना देते हो, चर्चा कर देते हो। मुख्यमंत्री ने पूछा कि कौआ बैठ जाए तो क्या परेशानी है और इससे समाज को क्या नुकसान होता है? उन्होंने आगे कहा की पति-पत्नी के झगड़ों की खबरें प्रसारित करने से समाज को क्या लाभ होता है? उन्होंने कहा कि जिस पत्रिका भवन एवं प्रशिक्षण केंद्र का उन्होंने शिलान्यास किया है, उसका उद्घाटन भी वे ही करेंगे और आवश्यक सहायता भी प्रदान करेंगे। परम पूज्य जगद्गुरु शिवरात्रि देसीकेंद्र महास्वामी की दिव्य उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष एसटी रविकुमार ने की। इस दौरान जिला प्रभारी मंत्री एचसी महादेवप्पा, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार केवी प्रभाकर, जिले के विधायक जीटी देवेगौड़ा, श्रीवत्स, तनवीर सेठ, हरीश गौड़ा, रविशंकर, अनिल चिक्कमडु, आश्रय समिति के अध्यक्ष डॉ. यतींद्र सिद्दरामैया, एमएलसी डॉ. डी. थिमैया, मैरिथिब्बे गौड़ा, ए.एच. विश्वनाथ उपस्थित थे।

झुंझुनू सीट पर मोदी फेक्टर की काट निकालना कांग्रेस के लिए कठिन

बाल मुकुंद जोशी
dakshinbharat.com

सीकर। राजस्थान विधानसभा के चुनाव में झुंझुनू जिले में मजबूत पकड़ रखने के बावजूद कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में लगातार दो बार हार का मुंह देखना पड़ा है जबकि एक समय था जब यहां दिग्गज नेता स्व.शीशराम ओला के आगे हर दल बौना नजर आता था। आज जिले का सियासी दृश्य बदला हुआ है। कांग्रेस ने भले ही विधानसभा चुनाव में अपनी परफॉर्मेंस कायम रखी हो लेकिन लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जलवे के आगे पंजा ढीला पड़ जाता है। अगले वर्ष हो रहे लोकसभा के आम चुनाव में जाट बाहुल्य झुंझुनू सीट पर कांग्रेस फिर से अपना इतिहास दोहराने के लिए जद्दोजहद करेगी।

कांग्रेस ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में अपना दबदबा कायम रखा है। झुंझुनू संसदीय क्षेत्र में आने वाली आठ विधानसभा सीटों में से गत बार की तरह इस बार भी 6 सीट पर कब्जा बरकरार रखा है जबकि भाजपा ने इस बार 2 सीट पर सफलता अर्जित की है।

असेंबली के नतीजे और पूर्व के सियासी इतिहास को देखें तो झुंझुनू लोकसभा सीट कांग्रेस के लिए मुफीद रही है परन्तु अब भाजपा मोदी फेक्टर से इस सीट पर उम्मीदवार बदल-बदलकर कांग्रेस को चुका रही है। कमोबेश आने वाले चुनाव में एक बार पुन: भाजपा ऐसा ही प्रयोग कर सकती है।

झुंझुनू लोकसभा सीट कांग्रेस के लिए मुफीद रही है परन्तु अब भाजपा मोदी फेक्टर से इस सीट पर उम्मीदवार बदल-बदलकर कांग्रेस को चुका रही है। कमोबेश आने वाले चुनाव में एक बार पुनः भाजपा ऐसा ही प्रयोग कर सकती है।

सूत्रों की मानें तो यहां उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ की धर्मपत्नी सुदेश धनकड़ को कमल का फूल थमाया जा सकता है। वैसे भी देश की राजनीति में आजकल उपराष्ट्रपति का स्वाभिमान जाट जाति के साथ जोड़कर जोरदार सियासत हो रही है। आपको बता दे कि झुंझुनू जिला धनखड़ का गृह जिला है। कई दशकों तक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे स्व. शीशराम ओला के वर्चस्व वाले जिले में भाजपा से टिकट मांगने वालों की वैसे कोई कमी नहीं है। टिकट पाने की कतार में पूर्व सांसद संतोष अहलावत, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, पूर्व विधायक सुभाष पूनिया और वरिष्ठ अधिवक्ता संजय महला प्रमुख है।

वर्तमान सांसद नरेंद्र कुमार के हाल ही में मंडावा विधानसभा सीट से चुनाव हार जाने से भाजपा में टिकटार्थियों की एक लंबी फेहरिस्त बन गई है। वैसे भी झुंझुनू में भाजपा की जीत मोदी लहर से संभव है वरना इस सीट पर सदैव से ही कमल खिलना मुश्किल रहा है।

इधर कांग्रेस भी अपना खोया हुआ वर्चस्व तलाशने की शिद्दत से कोशिश करेगी, यह सत्य है कि हाथ झुंझुनू में मजबूत नहीं होगा तो दिल्ली में कांग्रेस का सत्ता पाने का ख्याल ख्वाबों में ही रहेगा।जिले के निर्वाचित विधायक बृजेंद्र ओला, श्रवण कुमार और रीटा सिंह तो दिल्ली दौड़ से दूर रहेंगे।हां, ओला अपनी धर्मपत्नी व पूर्व जिला प्रमुख राजबाला ओला को मैदान में उतार सकते हैं। इसके अलावा आकांक्षा ओला और जिलाध्यक्ष व नवलगढ प्रधान दिनेश सुंडा भी दावेदार हो सकते हैं। जिले के एक अन्य फायर ब्रांड नेता राजेंद्र गुडा भी चुनावी दंगल में कूद सकते हैं।

बहरहाल कांग्रेस को यहां फिर से ताकतवर बनना है तो उसे मोदी लहर की काट निकालनी होगी अन्यथा लहर एक बार फिर भाजपा की झुंझुनू सीट पर जीत की तिगड़ी बना देगी।

विभाग में हर स्तर पर भ्रष्टाचार हो समाप्त : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि पुलिस सेवा में रहकर जनसेवा करना सौभाग्य की बात है। यह कार्य संवेदनशीलता एवं गुणवत्ता के साथ निष्पादित करना हर अधिकारी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि गत वर्षों में विभिन्न प्रकार के अपराधों में बढ़ोतरी हुई है। इसका राज्य की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। हमें राज्य की इस छवि को बदलना होगा। जनता का पुलिस में विश्वास फिर से सुदृढ करना होगा एवं अपराधियों में भय व्याप्त करना होगा। इसमें राज्य सरकार द्वारा आपको हर प्रकार का सहयोग दिया जाएगा।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में पुलिस अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। शर्मा ने अपराध नियंत्रण तथा प्रदेश की कानून व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर गृह विभाग तथा वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को सभी प्रकार के अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गत वर्षों में महिला उत्पीडन के मामले बड़े पैमाने पर राजस्थान में सामने आए हैं। इससे वीरों एवं विभूतियों की यह भूमि शर्मसार हुई है। हमें मातृशक्ति की समुचित सुरक्षा कर प्रदेश का सम्मान एवं गौरव लौटाना है। यह हमारी मुख्य प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए विभाग सभी आवश्यक कदम उठाए एवं त्वरित व प्रभावी कार्यवाही करे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेपरलीक कर युवाओं एवं उनके परिवारों की आशाओं पर कुठाराघात करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इस प्रकार के अपराधों से युवाओं को अमानवीय यातना सहनी पड़ी है एवं उनका परिश्रम एवं पैसा व्यर्थ हुआ है। उन्होंने कहा कि इन मामलों की जांच के लिए गठित एसआईटी प्रभावी कार्यवाही करते हुए सभी दोषियों को सजा दिलाएगी एवं पेपरलीक के पीड़ित युवाओं को न्याय देगी।

शर्मा ने पुलिस अधिकारियों को संगठित अपराध करने वाले गिरोहों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य में संगठित अपराध पूरी तरह समाप्त होना चाहिए। प्रदेशवासियों को गैंग्स के आतंक से मुक्ति मिलनी चाहिए। जेलों के अंदर से गैंग ऑपरेट करने की प्रवृत्ति पर भी पूरी तरह से रोक लगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में गठित टास्क फोर्स गैंग्स के समूल उन्मूलन का कार्य करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्चाधिकारियों के आचरण का ही अनुसरण विभाग के अन्य कार्मिक करते हैं। उच्चाधिकारियों की यह जिम्मेदारी है कि वह अपने कर्तव्यों का शुद्ध अन्त:करण के साथ निर्वहन करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलेगी। उन्होंने कहा कि भ्रष्ट आचरण करने वालों के साथ-साथ उनका सहयोग व बचाव करने वालों को भी नहीं बख्शा जाएगा। राज्य सरकार संस्थागत भ्रष्टाचार के उन्मूलन हेतु प्रतिबद्ध है। विभाग में सभी स्तरों से भ्रष्टाचार समाप्त होना चाहिए।

शर्मा ने कहा कि कानून व्यवस्था के उत्कृष्ट संधारण के लिए प्रदेश में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से प्रभावी मॉनिटरिंग की जाए। समयबद्ध रूप से इनकी मरम्मत एवं रख-रखाव सुनिश्चित किए जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी किसी भी स्रोत से प्राप्त अपराध की सूचना को गंभीरता से लेकर तत्काल संज्ञान लें। शर्मा ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए की कहीं पर भी कानून-व्यवस्था बिगड़ने की संभावना के पहले संकेतों पर ही प्रो-एक्टिव अप्रोच के साथ कार्य करें। अधिकारी स्वयं समय-समय पर अपने क्षेत्र में दौरे कर स्थिति का जायजा लें। साथ ही, नियमित रूप से जनसुनवाई भी करें ताकि आमजन से फीडबैक मिलता रहे। मुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों को विभाग में अपनी-अपनी शाखाओं से संबंधित अपराधों की रोकथाम के लिए कार्ययोजना, सुझावों, आवश्यक संसाधनों का ब्यौरा तैयार कर जल्द से जल्द प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

उद्घाटन

जयपुर में शुक्रवार क 'जयपुर ज्वेलरी शो' का सीतापुरा कन्वेंशन सेंटर में उद्घाटन करती उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी।

राजस्थान में कड़ाके की सर्दी

फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 1.9 डिग्री सेल्सियस रहा

जयपुर। राजस्थान के अनेक इलाकों में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है जहां फतेहपुर में बीती रात न्यूनतम तापमान 1.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार बीती रात न्यूनतम तापमान सीकर में 2.8 डिग्री, चुरु में 4.2 डिग्री, संगरिया में 4.4 डिग्री, पिलानी में 4.5 डिग्री, गंगानगर में 6.5 डिग्री और करौली में 5.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके साथ ही अजमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, सिरोही व फलौदी में भी न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। मौसम केंद्र जयपुर का अनुमान है कि एक नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से शुक्रवार को पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, नागौर, चूरू, हनुमानगढ़ व गंगानगर जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश/बूंदाबांदी होने की संभावना है। शेष अधिकांश भागों में बादल छाए रहने की संभावना है। वहीं 23 दिसंबर से आगामी एक सप्ताह के दौरान राज्य के अधिकांश भागों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। 23 दिसंबर को पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर संभाग में कहीं-कहीं मध्यम से घना कोहरा छा सकता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति युवाओं के भविष्य के लिए होगी मददगार साबित होगी : राज्यपाल मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बांसवाड़ा। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने युवाओं का विकसित भारत की परिकल्पना को साकार स्वरुप देने के लिए अपनी महत्ती भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए कहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति इनके भविष्य के लिए मददगार साबित होगी मिश्र शुक्रवार को गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बांसवाडा. के पंचम दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने गोल्ड मेडल उपाधि एवं शोधार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाए देते हुए कहा कि छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में बढना एक सुखद अवसर है। उन्होंने कहा कि देश में नारी के सशक्तिकरण में अनेकों कार्य किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि परिवार में एक महिला शिक्षित होती है वहां का सकारात्मक परिणाम मिलते है।

उन्होंने आदीवासी समाज के युग पुरुष गोविन्द गुरु को नमन करते हुए उनके बलिदानों को बताया और कहा कि उनके द्वारा जनजाति समाज की आध्यात्मिक, परम्पराओं विशिष्ठ संस्कृति और श्रेष्ठ जीवन मूल्यों के लिए दिये गये योगदान को जनजातीय क्षेत्र में शोध और अनुसंधान कार्यो को आगे बढाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत- 2047 की जो संकल्पना संजोई है, उसके मूल में कर्णधार आज के युवा पीढी ही है आज का युवा शिक्षा अर्जित करने के साथ-साथ राष्ट्र विकास से जुडे तमाम विषयों पर भी गहन रुचि रखते हुए कार्य करे। उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों का प्रभावी विकास के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास के लिए सुनियोजित कार्य करने पर जोर दिया इसके लिए विश्वविद्यालय अपनी अहम भूमिका का निर्वाह्न करे। दीक्षांत समारोह में जीजीटीयू बांसवाड़ा के प्रथम नामित कुलपति और वर्तमान में वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा के कुलपति प्रो कैलाश सोडानी दीक्षांत उद्बोधन दिया। प्रारंभ में विश्वविद्यालय के कुलपति के एस ठाकुर ने राज्यपाल एवं कुलाधापति कलराज मिश्र का स्वागत करते हुए विश्विद्यालय की गतिविधियों से अवगत करवाया।

समारोह में विश्विद्यालय के रजिस्ट्रार राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल ने दिक्षान्त समारोह की औपचारिक गतिविधियों में भागीदारी निभायी एवं विस्तृत जानकारी दी। राज्यपाल बांसवाडा पहुंचने पर जिला पुलिस अधीक्षक अभीजित सिंह व मुख्य कार्यकारी अधिकारी वीसी गर्ग द्वारा अगवानी की गई वही राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

प्रारंभ में मुख्य अतिथि कलराज मिश्र ने मां सरस्वती की तस्वीर पर माल्यापर्ण, राष्ट्रगान एवं कुलगीत के साथ विधिवत समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के उद्यान में राज्यपाल ने पौधारोपण किया। उन्होंने उद्यान का अवलोकन और विश्वविद्यालय के सभागार का शिलान्यास भी किया। समारोह में शैक्षणिक सत्र 22-23 में विभिन्न कक्षाओं में सर्वोच्य स्थान पर रहे तीस विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल उपाधि एवं मेरिट प्रमाण पत्र और ग्यारह शोधार्थियों को विद्या-वाचस्पति पीएचडी उपाधि की प्रदान की गई।

शिल्पग्राम उत्सव में लोक झंकार पर झंकृत हुए कला प्रेमियों के दिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, की ओर से लोक झंकार ने संस्कृति के ऐसे खूबसूरत रंग बिखेरे कि मौजूद तमाम कला प्रेमियों के दिल झंकृत हो गए और वे झूमने लगे। शिल्पग्राम के मुक्ताकाशी रंगमंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत श्रेष्ठ भारत विजन के तहत गुरूवार रात्रि पहली सांस्कृतिक पेशकश में देशभर के विभिन्न लोकनृत्यों की एक के बाद एक ऐसी शानदार प्रस्तुति दी गई कि दर्शक एक की तारीफ में तालियां बजाते कि दूसरा मनमोहक डांस शुरू हो जाता। इस झंकार को देश की प्रसिद्ध लोक नर्तकी और लोक नृत्य निर्देशक मैत्रेयी पहाड़ी को अपने अनुभव और फॉक पर उम्दा पकड़ का तड़का देकर सुपर फॉक डांसर्स से सुपीरियर परफोरमेंस करवा कर अलग ही ऊंचाइयां प्रदान कीं।

इस सुपर लोक झंकार के दौरान मणिपुरी म्यूजिकल पुंग ढोल चोलम, राजस्थानी चरी, छत्तीसगढ़ के ककसार, गोवा के देखनी, ओडिशा के गोटीपुआ, गुजरात के जेठवा, पश्चिम बंगाल के नटवा, महाराष्ट्र के सोंगी मुखोटा, झारखंड के पाइका, पश्चिम बंगाल के पुरलिया छाऊ, कर्नाटक के ढोलू कुनिथा, दमन के माची, गुजरात के राठवा, राजस्थानी कालबेलिया, पंजाब के भांगड़ा, गुजरात के सिद्धि धमाल नृत्यों की एक के बाद एक प्रस्तुति के रोमांच और तारीफ से सामयीन अभी उबरे भी नहीं थे कि राजस्थान के लंगा गायन ने उन्हें फिर से झूमने और वाह-वाही करने को विवश कर दिया।

महिला ने बाड़मेर के पूर्व विधायक और आठ अन्य पर लगाया दुष्कर्म का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। एक महिला ने राजस्थान के बाड़मेर से पूर्व विधायक मेवाराम जैन तथा राजस्थान पुलिस सेवा (आरपीएस) के अधिकारी आनंद सिंह राजपुरोहित समेत नौ लोगों के खिलाफ उसके साथ दुष्कर्म करने तथा उसकी किशोर बेटी के साथ छेड़छाड़ करने के आरोप में पुलिस में बुधवार को शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि जोधपुर के राजीव गांधी नगर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

महिला ने प्राथमिकी में आरोप लगाया है कि आरोपियों ने उसकी एक नबालिग मित्र से भी दुष्कर्म किया और उस पर और लड़कियां लाने का दबाव बनाया। आरोपियों में दो पुलिस अधिकारी - बाड़मेर के थाना प्रभारी गंगाराम खावा और उप निरीक्षक दाउद खान तथा प्रधान गिरधारी सिंह सोढ़ा भी शामिल हैं। थाना प्रभारी शकील अहमद ने प्राथमिकी की पुष्टि करते हुए कहा कि जैन और आठ अन्य के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म, डराने-धमकाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया, महिला ने आरोप लगाया कि जैन ने 2021 से कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया वहीं जैन से उसे मिलवाने वाला राम स्वरूप नामक व्यक्ति पिछले पांच वर्षों से उसके साथ दुष्कर्म कर रहा है। अहमद ने बताया कि मामले की जांच प्रारंभ कर दी गई है। महिला का आरोप है कि पांच वर्ष पहले अपने पिता की बीमारी के दौरान वह बाड़मेर के राम स्वरूप से संपर्क में आई थी और उसने महिला को मदद का आश्वासन दिया था।

कोटा में छात्रों के खुदकुशी के मामले बढ़ने के बावजूद मनोवैज्ञानिकों की कमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। कोटा में कोचिंग ले रहे छात्रों के बीच आत्महत्या के मामले बढ़ने के बावजूद यहां अपने घरों से दूर विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लगभग 2.50 लाख कोचिंग छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से निपटने के लिए नैदानिक मनोवैज्ञानिकों की बहुत कमी है। इस साल कोटा के कोचिंग संस्थानों में अध्ययनरत 26 विद्यार्थियों ने खुदकुशी कर ली। यह किसी एक साल में यहां आत्महत्या करने वाले छात्रों की सर्वाधिक संख्या है।

राजस्थान सरकार की बजट घोषणा के अनुरूप कोटा स्थित न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एनएमसीएच) में गत सितंबर में एक मनोवैज्ञानिक परामर्श केंद्र स्थापित किया गया था। एनएमसीएच में कम से कम पांच नैदानिक मनोवैज्ञानिकों की जरूरत है, लेकिन केवल एक ही तैनात हैं।

केंद्र में प्रशिक्षित कर्मियों की भी कमी है। राज्य के मेडिकल कॉलेजों में नैदानिक मनोविज्ञान में एम फिल की डिग्री नहीं दिये जाने के कारण यह समस्या और बढ़ गई है। राज्य के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सेवाएं दे रहे विशेषज्ञों के पास दूसरे राज्यों की डिग्री हैं।

न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर (एमडी) डॉ विनोद कुमार दरिया ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि उन्होंने राज्य के सरकारी संस्थानों में नैदानिक मनोविज्ञान में एम फिल पाठ्यक्रम के लिए एक प्रस्ताव तैयार किया था और पिछले साल जनवरी में इसे राज्य सरकार को भेजा था। प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई और कुशल नैदानिक मनोवैज्ञानिकों के साथ मनोवैज्ञानिक परामर्श केंद्र की स्थापना की घोषणा की गई।

डॉ दरिया ने कहा कि मनोवैज्ञानिक परामर्श केंद्र (बिना किसी अतिरिक्त बजट के) शुरू किया गया, हालांकि एम फिल पाठ्यक्रम की शुरुआत और नैदानिक मनोवैज्ञानिकों की नियुक्ति अब भी लंबित है। उन्होंने कहा कि कोटा में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले बेहतर संस्थानों के कारण देशभर से माता-पिता अपने बच्चों को यहां पढ़ने के लिए भेजते हैं। इनके अलावा सीकर और जयपुर जैसे स्थानों पर पढ़ाई करने के लिए भी बाहर से बड़ी संख्या में बच्चे आते हैं।

योजनाओं से वंचित लाभार्थियों को विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से व्यापक स्तर पर जोड़ा जाए : शर्मा

जयपुर/दक्षिण भारत। मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित लाभार्थियों को विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से अधिक से अधिक लाभ पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विकसित भारत यात्रा शिविरों में स्वास्थ्य संबंधी जांच तथा पेयजल आदि आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव शुक्रवार को सचिवालय में विकसित भारत संकल्प यात्रा को लेकर जिला कलक्टर एवं विभागीय अधिकारियों के साथ वीसी के माध्यम से बैठक को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। बैठक में शासन सचिव

पंचायतीराज श्री रवि जैन ने विकसित भारत संकल्प यात्रा (ग्रामीण) की प्रगति के संबंध में बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोग जागरूक होकर योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठा सकें इसके लिए 170 आईईसी वैन संचालित की जा रही हैं।

‘बेटी रुलाओ, बेटी सताओ और बेटियों को घर बिठाओ’ भाजपा सरकार की खेल नीति : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने ओलंपिक पदक विजेता महिला पहलवान साक्षी मलिक के संन्यास की घोषणा के बाद शुक्रवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि बेटी रुलाओ, बेटी सताओ और बेटियों को घर बिठाओ'' भाजपा सरकार की खेल नीति बन गई है।

पार्टी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने यह दावा भी किया कि महिला पहलवानों के साथ ''ज्यादती और अन्याय'' के लिए सीधे तौर पर नरेन्द्र मोदी सरकार जिम्मेदार है।

रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक ने यहां बृजभूषण शरण सिंह के विश्वासपात्र संजय सिंह की भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष पद के चुनाव में जीत का विरोध करते हुए बृहस्पतिवार को अपने कुश्ती के जूते टेबल पर रखे और कुश्ती से संन्यास लेने की घोषणा की। इस घोषणा के समय उनकी आंखों में आंसू थे।

सुरजेवाला ने संवाददाताओं से कहा कि पहलवान बेटियों के यौन शोषण के आरोपी भाजपा सांसद बृजभूषण के सहयोगी व ‘नॉमिनी’ संजय सिंह की चुनाव में जीत के बाद, कुश्ती में ओलंपिक पदक जीतने वाली देश की पहली महिला पहलवान व किसान की बेटी साक्षी मलिक द्वारा खेल से संन्यास की घोषणा भारत के खेल इतिहास का ''काला अध्याय'' है। उन्होंने आरोप लगाया कि चैंपियन महिला पहलवानों के साथ ‘ज्यादती व अन्याय’ के लिए सीधे मोदी सरकार दोषी है।

सुरजेवाला ने कहा, यह दर्शाता है कि न्याय की आवाज उठाने वाली बेटियों को सन्यास के लिए मजबूर कर घर भेज दिया जाएगा और दोषी कहकहे लगाएंगे, और बेटियों की बेबसी तथा लाचारी का मजाक उड़ाएंगे। शायद इसीलिए यौन शोषण के आरोपी बृजभूषण सिंह ने कुश्ती संघ के चुनाव के बाद कहा, दबदबा था, दबदबा रहेगा''। उन्होंने दावा किया कि ''बेटी रुलाओ, बेटी सताओ और बेटियों को घर बिठाओ'' भाजपा सरकार की खेल नीति बन गई है। उन्होंने कहा कि देश का दुर्भाग्य है कि रोहतक के मोखरा गाँव में जन्मी, हरियाणा के एक साधारण किसान परिवार की बेटी देश के लिए ओलंपिक पदक ले आई, और आज मोदी सरकार के ''दबदबे'' ने उसे वापस घर जाने पर मजबूर कर दिया।

पेड़ से टकराने के बाद यात्री वैन पलटी, 12 पर्यटक घायल

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के पुरी जिले में कोणार्क के पास शुक्रवार को एक वैन पेड़ से टकराकर पलट गई, जिससे कम से कम 12 पर्यटक घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि भद्रक जिले के तिहिडी इलाके से 20 से अधिक पर्यटकों के लेकर वैन कोणार्क जा रही थी। शुक्रवार को तड़के वाहन सड़क किनारे एक पेड़ से टकराकर पलट गया। कोर्णाक में विश्व प्रसिद्ध सूर्य मंदिर स्थित है। पुलिस को संदेह है कि दुर्घटना घने कोहरे की वजह से हुई। उसने बताया कि घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को बचाया और उन्हें गोप सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया। पुलिस ने कहा कि गंभीर रूप से घायल हुए चार पर्यटकों को भुवनेश्वर के एक अस्पताल में रेफर किया गया है। उसने बताया कि घटना के बाद चालक मौके से भाग गया। कोणार्क पुलिस ने वाहन जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

औपनिवेशिक विरासत के सभी अवशेषों को हटाने के लिए काम करना चाहिए : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को लोगों से औपनिवेशिक विरासत के सभी अवशेषों को मिटाने और एक ‘आत्मनिर्भर’ राष्ट्र के निर्माण के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने असम के लोगों से कृषि से लेकर सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) तक सभी क्षेत्रों को शामिल करते हुए एक अभियान चलाने का संकल्प लेने की अपील की ताकि राज्य आर्थिक आत्म निर्भरता हासिल कर सके।

स्वतंत्रता सेनानी कनकलता बरुआ की जन्मशती के अवसर पर सोनितपुर जिले के गोहपुर में एक बैठक को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा, जैसे-जैसे भारत आजादी के 100 साल पूरे करने की ओर बढ़ रहा है, हम सभी को अपनी औपनिवेशिक विरासत के सभी अवशेषों को खत्म करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। हमें आर्थिक रूप से ‘आत्मनिर्भर भारत’ बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

‘भारत छोड़ो’ आंदोलन के दौरान 1942 में गोहपुर पुलिस थाना परिसर में तिरंगा फहराने के लिए एक समूह का नेतृत्व करते समय सत्रह वर्षीय कनकलता को पुलिस ने गोली मार दी थी।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में नई दिल्ली में मौजूदा शासन औपनिवेशिक विरासत को खत्म करने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने औपनिवेशिक युग के आपराधिक न्याय कानूनों को नए अधिनियमों से बदलने, नए संसद भवन में स्थानांतरित होने और सड़कों का नाम बदलने का उदाहरण देते हुए कहा कि मोदी और शाह ने दिखाया है कि देश औपनिवेशिक विरासत से कैसे बाहर आ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, औपनिवेशिक शासन के सभी अवशेषों को मिटाना होगा और उसकी जगह आत्मनिर्भर भारत बनाना होगा। उन्होंने कहा, भारत आयातित उत्पादों के आधार पर अपनी अर्थव्यवस्था का निर्माण नहीं करेगा, बल्कि अपनी विरासत बनाने के लिए अपनी क्षमताओं का विकास करेगा।

कनकलता और उनके जैसे अन्य स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शर्मा ने कहा कि उन्होंने जिस राजनीतिक स्वतंत्रता के लिए प्रयास किया था वह भले ही हासिल कर ली गई है, लेकिन आर्थिक स्वतंत्रता का सपना अब भी साकार नहीं हुआ है।

माफिया अतीक अहमद का रिश्तेदार 100 करोड़ की राजस्व क्षति के आरोप में गिरफ्तार

मेरठ (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने माफिया एवं दिवंगत पूर्व सांसद अतीक अहमद के मेरठ निवासी एक रिश्तेदार कमर अहमद काजमी को फर्जी कंपनियां बनाकर फर्जी ई-वे बिल के जरिये 100 करोड़ रुपए से अधिक राजस्व की क्षति पहुंचाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एसटीएफ के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एसटीएफ के पुलिस अधीक्षक बृजेश सिंह ने बताया कि एसटीएफ ने 100 करोड़ रुपए से अधिक की कर चोरी के मामले में मेरठ निवासी कारोबारी कमर अहमद काजमी को मेरठ से गिरफ्तार किया है। मेरठ विकास प्राधिकरण का पूर्व जन सम्पर्क अधिकारी काजमी माफिया अतीक अहमद का रिश्तेदार है। सिंह ने बताया कि लखनऊ और मेरठ एसटीएफ की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की है। कमर अहमद काजमी पर फर्जी ई-वे बिल बनाकर 100 करोड़ रुपए से अधिक जीएसटी चोरी करने का आरोप है। एसटीएफ पता कर रही है कि क्या काजमी को विदेशों से भी कोई अनुदान मिला या वह देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहा है ?

असंगठित क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं को ‘आंगनवाड़ी-सह-क्रैच’ पहल से जोड़ें राज्य

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने शुक्रवार को राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से असंगठित क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं की अधिक संख्या वाले क्षेत्रों की पहचान करने और उन्हें केंद्र की पालना योजना के तहत ‘आंगनवाड़ी-सह-क्रैच’ पहल से जोड़ने का आग्रह किया। ‘पालना’ का उद्देश्य कामकाजी महिलाओं के बच्चों के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है ताकि महिला श्रम शक्ति भागीदारी को बढ़ावा दिया जा सके।

‘आंगनवाड़ी-सह-क्रैच’ से जुड़ी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को जारी करने के लिए विज्ञान भवन में एक राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, इस मौके पर ईरानी ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से असंगठित क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं की अधिक संख्या वाले क्षेत्रों की पहचान करने और उन्हें केंद्र की पालना योजना के तहत ‘आंगनवाड़ी-सह-क्रैच’ पहल से जोड़ने का आग्रह किया।

आंगनवाड़ी-सह-क्रैच पहल का मकसद गुणवत्तापूर्ण बाल देखभाल की मांग को पूरा करते हुए सुविधाओं और महिलाओं को कार्यबल में सक्रिय रूप से भागीदारी करने में सक्षम बनाना है।

पूर्व मंत्री राकेशधर त्रिपाठी को आय से अधिक संपत्ति मामले में तीन वर्ष की सजा, जमानत मिली

प्रयागराज (उप्र)/भाषा। प्रयागराज की एमपी-एमएलए अदालत ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री राकेशधर त्रिपाठी को आय से अधिक संपत्ति मामले में दोषी करार देते हुए शुक्रवार को तीन वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई और उनपर 10 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया।

जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) गुलाब चन्द्र अग्रहरि ने बताया कि एमपी-एमएलए अदालत के अपर सत्र न्यायाधीश दिनेश चंद्र शुक्ल ने त्रिपाठी को आय से अधिक संपत्ति मामले में दोषी करार देते हुए तीन वर्ष की सजा सुनाई है और उनपर 10 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। उन्होंने बताया कि हालांकि अदालत ने त्रिपाठी की जमानत अर्जी मंजूर कर ली। त्रिपाठी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला मुट्ठीगंज थाने में 18 जून, 2013 को दर्ज किया गया था।

अग्रहरि ने बताया कि जांच में पाया गया कि त्रिपाठी और उनके आश्रितों की ज्ञात और वैध स्रोतों से कुल आय 45.82 लाख रुपए के करीब थी, जबकि व्यय राशि एक करोड़ 81 लाख 20 हजार रुपए के करीब थी। उन्होंने बताया कि इस मामले में कुल 33 गवाह पेश हुए।

निलंबन से सिर्फ सांसदों का अपमान नहीं, 60 प्रतिशत जनता का मुंह बंद किया गया: राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि संसद के हालिया शीतकालीन सत्र में विपक्ष के 146 सांसदों को निलंबित करके न सिर्फ उनका अपमान किया गया, बल्कि देश की 60 प्रतिशत जनता का मुंह बंद कर दिया गया। उन्होंने सांसदों के निलंबन के खिलाफ जंतर-मंतर पर आयोजित विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शन में यह भी कहा कि लड़ाई नफरत और मोहब्बत के बीच है तथा भारतीय जनता पार्टी जितनी नफरत फैलाएगी, इंडिया’ गठबंधन उतनी ही मोहब्बत, भाईचारा और एकता फैलाएगा।

राहुल गांधी ने कहा कि ‘इंडिया’ गठबंधन पूरी तरह से एकजुट है। उन्होंने कहा कि लोकसभा की दर्शक दीर्घा से सदन में दो युवकों का कूदना सुरक्षा में चूक जरूर है, लेकिन इसका कारण बेरोजगारी है।

राहुल गांधी का कहना था, निलंबित सांसद सिर्फ व्यक्ति नहीं, बल्कि वे हिंदुस्तान की जनता की आवाज हैं। आपने (सरकार) सिर्फ (लगभग) 150 सांसदों का अपमान नहीं किया है, बल्कि 60 प्रतिशत जनता का मुंह बंद किया है।

सदन में तख्तियां लहराने और नारे लगाने के आरोप में शीतकालीन सत्र में कुछ दिनों के भीतर ही 146 सांसदों को लोकसभा और राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया। इनमें से ज्यादातर सदस्यों को शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किया गया था और सत्र समाप्ति के बाद उनका निलंबन भी स्वत: ही समाप्त हो चुका है। लेकिन कुछ सदस्यों के मामले को विशेषाधिकार समिति के विचारार्थ भेजा गया था और समिति की रिपोर्ट आने तक उनका निलंबन जारी रहेगा।

शीतकालीन सत्र के लिए दोनों सदनों की बैठक बृहस्पतिवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई।

विपक्षी गठबंधन ‘इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस’ (इंडिया) के सांसद 13 दिसंबर को संसद की सुरक्षा में हुई चूक की घटना को लेकर गृह मंत्री अमित शाह से बयान की मांग कर रहे थे।

निजी स्कूल की बस पलटी, दो विद्यार्थियों की मौत, 10 अन्य घायल

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। जिले में सिकरीगंज थाना क्षेत्र के खजनी तहसील में शुक्रवार सुबह एक स्कूल बस अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकराकर पलट गई, जिससे दो स्कूली बच्चों की मौत हो गई और 10 से अधिक अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसके मुताबिक जान गंवाने वाले विद्यार्थियों की पहचान साक्षी विश्वकर्मा (10) और प्रतिभा (14) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि दोनों सिकरीगंज इलाके की रहने वाली थीं। पुलिस के अनुसार यह दुर्घटना स्कूल से कुछ ही दूरी पर हुई और दुर्घटना के बाद ग्रामीणों ने तुरंत स्थानीय पुलिस की मदद से घायल बच्चों को नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि सिकरीगंज इलाके में सुबह करीब नौ बजे एक निजी स्कूल की बस पलट गई जिस में 21-22 बच्चे सवार थे।

करोड़ों रुपयों की धोखाधड़ी के मामले में 90 बैंक खातों में लेन-देन पर रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नोएडा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर में थाना सेक्टर-24 क्षेत्र के सेक्टर 22 स्थित साउथ इंडियन बैंक में करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। साथ ही 90 बैंक खातों से लेन-देन पर रोक लगाई गई है।

थाना सेक्टर 24 के प्रभारी निरीक्षक विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि बैंक के उप महाप्रबंधक (क्षेत्रीय) रैनजीत आर नायक ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी जिसमें उन्होंने पिछले कुछ दिनों से सेक्टर-22 स्थित शाखा से गड़बड़ी की शिकायत मिलने का आरोप लगाया था।

श्रीवास्तव ने बताया कि शिकायत की जांच कराने पर पता चला कि सहायक बैंक प्रबंधक ने सेक्टर-48 स्थित ‘एसोसिएट इलेक्ट्रॉनिक्स रिसर्च फाउंडेशन’ नामक कंपनी के खाते से 28.07 करोड़ रुपए अपनी पत्नी और मां समेत अन्य के खातों में स्थानांतरित कर कंपनी व बैंक के साथ कथित धोखाधड़ी की है। उन्होंने बताया कि इस मामले में ‘एसोसिएट इलेक्ट्रॉनिक्स रिसर्च फाउंडेशन’ के पदाधिकारियों ने तीन, चार और छह दिसंबर को ईमेल के जरिए शिकायत दर्ज कराई थी और कंपनी के खाते से बिना अनुमति व जानकारी के रुपए स्थानांतरित करने के आरोप लगाए थे।

पुलिस उपायुक्त हरीश चंदर ने बताया कि इस मामले में 90 बैंक खातों से लेन-देन पर रोक लगाई गई है। उन्होंने बताया कि आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस दल संभावित स्थानों पर छापे मार रहा है।

पारिवारिक इमरजेंसी के कारण भारत लौटे कोहली, गायकवाड़ टेस्ट शृंखला से बाहर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेंचुरियन/भाष। विराट कोहली पारिवारिक इमरजेंसी के कारण भारत लौट गए हैं लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 26 दिसंबर से शुरू हो रहे पहले टेस्ट से पूर्व उनके लौट आने की उम्मीद है। कोहली दो टेस्ट मैचों की शृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीका में थे।

बीसीसीआई के एक सूत्र ने शुक्रवार को पीटीआई को बताया, विराट कोहली पारिवारिक इमरजेंसी के कारण भारत लौट गए हें लेकिन पहले टेस्ट से पूर्व लौट आएंगे।

समझा जाता है कि कोहली ने बीसीसीआई अधिकारियों से इस लघु अवकाश के लिए अनुमति ले ली थी। सूत्र ने कहा, विराट बृहस्पतिवार को रवाना हो गए और यह पहले से तय था। उन्होंने टीम के भीतर तीन दिवसीय मैच में हिस्सा नहीं लिया जिसमें भारत और भारत ए के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

बीसीसीआई में से किसी से यह पुष्टि नहीं हो सकी है कि इमरजेंसी क्या थी। कोहली पिछली बार भी दक्षिण अफ्रीका में कमर में चोट के कारण एक टेस्ट से बाहर रहे थे। वह 24 दिसंबर को लौट आएंगे और मैच से पूर्व अभ्यास में हिस्सा लेंगे।

इस बीच भारतीय बल्लेबाज रूतुराज गायकवाड़ भी ऊंगली में फ्रेक्चर के कारण दो टेस्ट मैचों की शृंखला नहीं खेल सकेंगे। सूत्र ने कहा, रूतुराज गायकवाड़ ऊंगली में फ्रेक्चर के कारण दो टेस्ट मैचों की शृंखला से बाहर हैं।

कुछ सांसदों के निलंबन के बाद साथी सदस्यों ने इसी तरह की कार्रवाई का अनुरोध किया : प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान व्यवधानों को लेकर विपक्ष पर हमला करते हुए संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को कहा कि सरकार लोकसभा से सदस्यों के निलंबन की इच्छुक नहीं थी, लेकिन कुछ विपक्षी सदस्यों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई के बाद उनके कुछ साथियों ने खुद को भी निलंबित करने का अनुरोध किया।

जोशी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यदि विपक्ष को संसद में पारित तीनों नए आपराधिक कानूनों के खिलाफ कोई शिकायत है तो वह अदालत में जाने के लिए स्वतंत्र हैं।

जोशी के साथ संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी थे।

जोशी ने कहा, हम सांसदों को निलंबित नहीं करना चाहते थे, हमने उनसे अनुरोध किया था। लेकिन जब हमने कुछ सदस्यों को निलंबित कर दिया तो उनके कई सहयोगी निलंबन की मांग करने लगे। कांग्रेस का स्तर इतना नीचे गिर गया है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से विपक्षी सांसदों से कहा गया था कि सदन में तख्तियां दिखाकर अनुशासनहीनता में संलिप्त रहने वाले सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा, उन्होंने हमसे कहा कि वे अनुशासनहीनता करते रहेंगे और चाहते हैं कि हम उन्हें निलंबित कर दें।

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा के 100 और राज्यसभा के 46 सदस्यों को सदन की अवमानना के मामले में निलंबित किया गया।

पद्मश्री लौटाना बजरंग पूनिया का निजी फैसला: खेल मंत्रालय

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष पद के लिए संजय सिंह के चुनाव के विरोध में बजरंग पूनिया का पद्मश्री पुरस्कार लौटाने का फैसला व्यक्तिगत है लेकिन फिर भी उन्हें इस कदम पर दोबारा विचार करने के लिए समझाने का प्रयास किया जाएगा। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान पूनिया ने बृजभूषण शरण सिंह के विश्वासपात्र संजय सिंह के डब्ल्यूएफआई में शीर्ष पद के लिए चुने जाने के एक दिन बाद पद्मश्री सम्मान लौटाने का फैसला किया। लेकिन खेल मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि डब्ल्यूएफआई के चुनाव स्वतंत्र और पारदर्शी तरीके से हुए थे। मंत्रालय के एक अधिकारी ने पीटीआई को बताया, पद्मश्री लौटाना बजरंग पूनिया का व्यक्तिगत फैसला है।

दुर्भाग्य है कि तीसरे नंबर पर सैमसन को मौका नहीं दे सका : केएल राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

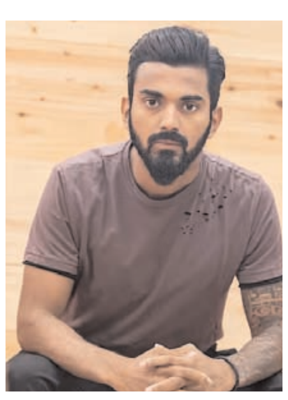

पार्ल/भाषा। भारतीय कप्तान केएल राहुल ने स्वीकार किया कि टीम में प्रमुख स्थानों पर दिग्गजों के रहने से संजू सैमसन के लिए जगह बनाना मुश्किल हो रहा था लेकिन उन्होंने खुशी जताई कि मौका मिलने पर सैमसन ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे और आखिरी वनडे में तीसरे नंबर पर उतरे सैमसन ने पहला वनडे शतक जड़ा जिसके दम पर भारत ने 78 रन से जीत दर्ज करके शृंखला अपने नाम की।

राहुल ने मैच के बाद कहा, मैं संजू के लिए खुश हूं। उसने इतने साल आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया है। दुर्भाग्य की बात है कि हम उसे तीसरे नंबर पर मौका नहीं दे पा रहे। इस क्रम पर हमारे पास वनडे में दिग्गज खिलाड़ी हैं। लेकिन मुझे खुशी है कि यहां उसने मौके को भुनाया।

सैमसन के 108 और तिलक वर्मा के 52 रन की मदद से भारत ने आठ विकेट पर 296 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 45 . 5 ओवर में 218 रन पर आउट हो गई।

पहले मैच में लक्ष्य छोटा होने से सैमसन को मौका नहीं मिला जबकि दूसरे मैच में पांचवें नंबर पर उतरकर उन्होंने 12 रन बनाए। आखिरी मैच में विराट कोहली की गैर मौजूदगी में उन्होंने तीसरे नंबर पर उतरकर शतक लगाया।

राहुल ने कहा कि अब टीम का फोकस सेंचुरियन में 26 दिसंबर से शुरू हो रह दो टेस्ट मैचों की शृंखला पर है जिसमें नियमित कप्तान रोहित शर्मा और कोहली टीम में लौटेंगे।

राहुल ने कहा, जीत का जश्न मनाने के बाद अब फोकस टेस्ट शृंखला पर होगा।

प्लेयर आफ द मैच सैमसन ने कहा, मुझे इस शतक पर गर्व है क्योंकि हम मैच जीत भी गए। मैने काफी मेहनत की है। इस प्रारूप में विकेट और गेंदबाज को समझने के लिए अतिरिक्त समय मिल जाता है। शीर्षक्रम पर खेलने से 10 . 20 गेंद ज्यादा मिलती है।

फलस्तीनियों के समर्थन में बांह पर काली पट्टी बांधने पर ख्वाजा को आईसीसी की फटकार

सिडनी/एपी। गाजा में फलस्तीनियों के समर्थन में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान बांह पर काली पट्टी बांधने वाले ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को आईसीसी ने फटकार लगाई है। आईसीसी के नियमों के तहत क्रिकेटर अंतरराष्ट्रीय मैचों के दौरान किसी तरह के राजनीतिक, धार्मिक या नस्लवादी संदेश की नुमाइश नहीं कर सकते। पाकिस्तान में जन्में ख्वाजा ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट खेलने वाले पहले मुस्लिम क्रिकेटर हैं। आईसीसी के प्रवक्ता ने कहा, उस्मान ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और आईसीसी से अनुमति लिए बिना पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच में निजी संदेश (बांह पर काली पट्टी) दिया। यह अन्य उल्लंघन श्रेणी में आता है और पहला अपराध होने पर उन्हें फटकार लगाई गई है।

प्रियंका गांधी ने साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया से मुलाकात की, साथ देने का भरोसा दिलाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने शुक्रवार को ओलंपिक विजेता पहलवानों से मुलाकात कर न्याय की लड़ाई में उनका साथ देने का भरोसा दिलाया।

प्रियंका गांधी, साक्षी मलिक के घर पहुंचीं, जहां उन्होंने साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया के साथ मुलाकात की। उनके साथ सांसद दीपेंद्र हुड्डा भी थे।

सूत्रों का कहना है कि प्रियंका गांधी ने न्याय की लड़ाई में दोनों पहलवानों का साथ देने का भरोसा जताया।

इससे पहले, साक्षी मलिक ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और सांसद दीपेंद्र हुड्डा से मुलाकात की।

दीपेंद्र हुड्डा ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, भारत की एकमात्र ओलंपिक पदक विजेता महिला पहलवान बहन साक्षी ने अपने साथ हुए घोर अन्याय व केंद्र सरकार की वादाखिलाफी से परेशान होकर कुश्ती खेल से संन्यास ले लिया। ये देश की महिलाओं के सम्मान और खेल जगत के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। आज सुबह साक्षी मलिक और उनके पति सत्यव्रत कादयान मिले। वे अपने साथ हुई वादाखिलाफी से बेहद आहत थे। उन्होंने कहा, हमने उनसे आग्रह किया कि देशहित में कुश्ती से संन्यास के अपने फैसले पर पुनर्विचार करें और उन्हें विश्वास दिलाया कि न्याय मिलने तक उनका साथ नहीं छोड़ेंगे।

टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के चुनाव में बृजभूषण शरण सिंह के विश्वस्त संजय सिंह के अध्यक्ष बनने के विरोध में शुक्रवार को अपना पद्मश्री सम्मान लौटाने का फैसला किया। इससे एक दिन पहले साक्षी मलिक ने संन्यास की घोषणा की थी।

डब्ल्यूएफआई के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण के करीबी संजय गुरुवार को यहां हुए चुनाव में डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बने और उनके पैनल ने 15 में से 13 पद पर जीत हासिल की। इस नतीजे से तीन शीर्ष पहलवान साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और पूनिया को काफी निराशा हुई, जिन्होंने महासंघ में बदलाव लाने के लिए काफी जोर लगाया था।

सुविचार

खुशियां सब कुछ पा लेने में नहीं, जितना मिला उसमें थोड़ा बाँट देना असली ख़ुशी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

घुसपैठ पर सख्ती जरूरी

जम्मू में रोहिंग्याओं को अवैध रूप से बसाने में स्थानीय स्तर पर लोगों की मदद मिलना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय है। ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। आज देश के कई इलाकों में अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या बसे हुए हैं। स्थानीय स्तर पर मदद के बिना यह संभव नहीं है। उनमें से कई लोगों ने तो सरकारी दस्तावेज तक बनवा लिए हैं। अब रोहिंग्याओं का जम्मू में बसना हैरत की बात है। जम्मू-कश्मीर लंबे अरसे से आतंकवाद से पीड़ित है। हमारे सुरक्षा बलों ने बड़े बलिदान देकर यहां शांति स्थापित की है। ऐसे में म्यांमार से आकर यहां रोहिंग्याओं का अवैध ढंग से बसना शांति और सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकता है। निस्संदेह पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए सात दंपतियों समेत 50 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लेकर या गिरफ्तार कर सख्ती दिखाई है। यह पता लगाना चाहिए कि क्या इन्होंने पहले भी किसी को अवैध ढंग से बसाने में मदद की थी? भारत में अवैध ढंग से रहने वाले बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की हिमायत में कई संगठन खड़े हो जाते हैं। वे यह दलील देते हैं कि भारत ने तो सदैव शरणार्थियों के लिए दरवाजे खोले हैं, लिहाजा कुछ हजार लोग और आ गए तो क्या हो जाएगा? ये बातें जिस भावुकतापूर्ण अपील के साथ कही जाती हैं, उससे कई लोगों को लगता है कि ऐसे मामले में जैसा पहले से चला आ रहा है, वैसा चलने देना चाहिए! वास्तव में यह मामला वैसा है नहीं, जैसा इन अपीलों के जरिए बताया जाता है। सबसे पहले तो यह स्पष्ट करने की जरूरत है कि शरणार्थियों के मामले में भारत को किसी से उपदेश नहीं चाहिए। भारत वह देश है, जिसने साल 1947 में विभाजन की विभीषिका के बाद बहुत बड़ी तादाद में शरणार्थियों के लिए अपने द्वार खोले और उन्हें खुले हृदय से अपनाया। उन लोगों ने शीर्ष पदों तक पहुंचकर अपनी काबिलियत से देश की सेवा की। इससे पहले भी भारत ने पारसी और यहूदी शरणार्थियों के लिए दरवाजे खोले थे। उन्होंने भी देश के लिए समय-समय पर ऐसे काम किए, जिन पर सबको गर्व होता है। ये लोग अपने मूल स्थानों पर अत्याचार से पीड़ित थे।

आज बांग्लादेशी और रोहिंग्या भारत आ रहे हैं तो उनके इधर आने की वजह यहां के संसाधनों का उपभोग करना है। कई रोहिंग्या बांग्लादेश में रहने के बाद भारत का रुख करते हैं, क्योंकि उन्हें मालूम है कि यहां अर्थव्यवस्था अच्छी है, रोजगार के ज्यादा मौके हैं। देर-सबेर कुछ पार्टियां उन्हें अपना वोटबैंक बनाने के लिए खड़ी हो ही जाएंगी! जब दस-बीस साल बीत जाएंगे तो कौन निकालेगा? अवैध ढंग से आए इन लोगों पर जमीन कब्जाने, अतिक्रमण करने और अपराधों में लिप्त होने जैसे गंभीर आरोप लग चुके हैं। लोग अपने घरों में किसी अनजान व्यक्ति को एक दिन नहीं रखना चाहते, क्योंकि उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता होती है। क्या देश में ऐसे लोगों को (बिना अनुमति लिए) यहां आने और जब तक मर्जी हो, रहने देना चाहिए? इस समय दुनिया में कई जगह हिंसा और अशांति का माहौल है। कई देशों में मूलभूत सुविधाएं तक नहीं हैं। तो क्या हमें पूरी दुनिया के लिए (बिना किसी नियम के) दरवाजे खोले देने चाहिएं? उन देशों की सरकारों का कर्तव्य है कि वे अपने नागरिकों की चिंता करें, उनके लिए सुविधाएं जुटाएं, उनका जीवन स्तर बेहतर बनाएं। भारत उन देशों की सहायता करता रहता है, लेकिन सरहद पार कर अवैध ढंग से आना, यहीं डेरा जमा लेना, वापस लौटने का कोई इरादा नहीं रखना, यहां अवैध ढंग से दस्तावेज बनवा लेना और संसाधनों पर कब्जे की मंशा रखना ... इसकी अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। हां, जो भारत आना चाहता है, वह आए, लेकिन कानूनी तरीके से आए। पहले वीजा ले और निर्धारित अवधि में वापस लौट जाए। अगर किसी को भारत की नागरिकता लेनी है तो उसका स्वागत है। भारत ने अनेक देशों के लोगों को नागरिकता दी है। इसके लिए उन्हें निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा। जब वे प्रक्रिया पूरी कर लेंगे तो नागरिकता मिलेगी। इसमें किसी भी तरह का कोई भेदभाव नहीं है। भारतीय नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए जरूरी है कि सरकार अवैध ढंग से रहने वाले लोगों पर नजर रखे। उन्हें हिरासत में ले और उचित प्रक्रिया के माध्यम से उनके देश भेजने का इंतजाम करे। सरहद पर निगरानी बढ़ानी होगी। जो व्यक्ति घुसपैठ करे, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

ट्वीटर टॉक

पुंछ में आतंकवादियों के कायरतापूर्ण हमले में माँ भारती की रक्षा हेतु वीरगति को प्राप्त हुए सभी जवानों के शौर्य, साहस और वीरता को नमन एवं भावभीनी श्रद्धांजलि। राष्ट्र रक्षार्थ आपका बलिदान अतुल्य है। हम आपकी वीरता और राष्ट्र सेवा भाव के समक्ष श्रद्धावनत हैं।

-भजनलाल शर्मा

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में हुए आतंकी हमले में राष्ट्र के गौरव की रक्षा करते हुए शहीद हुए सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान को मेरा शत शत नमन। मैं शहीदों के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूँ और घायल हुए सभी जवान जल्द स्वस्थ हों ईश्वर से प्रार्थना करती हूँ।

-दीया कुमारी

पुंछ में हुए कायराना व घृणित आतंकी हमले में देश की रक्षार्थ शहीद हुए सभी जवानों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि। हम सभी की गहन संवेदनाएं वीर बलिदानियों के परिजनों के साथ हैं। घायल जवानों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूँ।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

मार्गदर्शक शिक्षा

कन्फ्यूसियस का जन्म चीन के शानदों प्रांत में 550 ईसा पूर्व हुआ था। मूलतः वह एक समाज सुधारक थे। हालांकि, लोग उनका सम्मान धार्मिक गुरु मानकर भी करते थे। कन्फ्यूसियस जब मात्र बीस बरस के ही थे, तभी उन्होंने जनकल्याण के मार्ग में पदार्पण किया। अपने विचारों के प्रचार-प्रसार के लिए उन्होंने बच्चों की पाठशाला के निर्माण का निर्णय किया था। इस पाठशाला में वह स्वयं ही बच्चों को पढ़ाते थे। कन्फ्यूसियस के कुछ अनुयायियों ने जिज्ञासा प्रकट की, 'आचार्य, आप सीधे जनता के बीच अपने विचारों का प्रचार कर सकते हैं, फिर इस कार्य के लिए बच्चों की पाठशाला क्यों?'

कन्फ्यूसियस ने कहा, 'रूढ़िवादी संस्कारों के कारण प्रौढ़ों को समझाना बहुत मुश्किल है। बच्चों की मनोभूमि अंधविश्वास, अविश्वास, संशय, तर्क, द्वेष, ईर्ष्या जैसे दुर्गुणों से दूषित नहीं होती। उनमें रोपे हुए सदविचार आसानी से फलीभूत हो जाते हैं। इस प्रकार सच्ची मानवता के गुणों से ओतप्रोत यह नई पीढ़ी समाज के रंगमंच पर उतर कर समाज का सही मार्गदर्शन करेगी।'

सामयिक

आतंकी गुट नशे के कारोबार से ही सबसे ज्यादा कमाई करते हैं। इससे आए पैसे टैरर फंडिंग में जाते हैं। यही वजह है कि कश्मीर में नशे का कारोबार इतना फला-फूला। नब्बे के दशक से ही पाकिस्तानी आतंकी यहां के युवाओं तक नशा पहुंचाने लगे थे। इसका एक मकसद उन्हें भटकाकर अपने साथ मिला लेना था।

कश्मीर में आतंक मचाने के लिए पाकिस्तान के पास कहां से आता है पैसा ?

अशोक भाटिया
मो.: 9221232130

जम्मू में रक्षा विभाग के जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में पुख्ता खुफिया जानकारी के आधार पर पुंछ जिले के ढेरा की गली इलाके में एक संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया। वहां मुठभेड़ शुरू हो गई थी। ये जवान घटनास्थल की ओर बढ़ रहे थे, तभी आतंकवादियों ने दो वाहनों (एक ट्रक और एक जिप्सी) पर गोलीबारी की, जिसमें 5 सैनिक शहीद हो गए और 2 अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि अभियान जारी है और विस्तृत जानकारी का इंतजार किया जा रहा है। घटनास्थल की व्यथित करने वाली तस्वीरों और वीडियो में सड़क पर पड़ा खून, सैनिकों के टूटे हुए हेलमेट और सेना के दो वाहनों के टूटे हुए शीशे दिखाई दे रहे हैं। अधिकारियों ने भीषण टकराव के दौरान सैनिकों और आतंकवादियों के बीच आमने-सामने की लड़ाई होने की संभावना से इनकार नहीं किया। अधिकारियों ने कहा कि ऐसी संभावना है कि जिन सैनिकों पर हमला किया गया, आतंकवादी उनके हथियार लेकर चले गए हैं।

अभियान जारी रहने के दौरान अधिकारी अधिक जानकारी इकट्ठा करने और क्षेत्र में आतंकवादियों द्वारा उत्पन्न खतरे को समाप्त करने की पुरजोर कोशिश में जुटे हैं। इस हमले से कुछ ही सप्ताह पहले पास के राजौरी जिले में बाजीमाल वन क्षेत्र के धर्मसाल बेल्ट में गोलीबारी के दौरान दो कैप्टन सहित पांच सैन्यकर्मी शहीद हो गए थे। राजौरी जिले में सुरक्षा बलों के साथ नवंबर में इस मुठभेड़ में अफगानिस्तान में प्रशिक्षित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के शीर्ष कमांडर समेत दो आतंकवादी मारे गये थे। राजौरी और पुंछ जिलों की सीमा पर स्थित ढेरा की गली और बुफलियाज के बीच का इलाका घने जंगलों वाला है और यह चमरेर जंगल और फिर भाटा धुरियन जंगल की ओर जाता है, जहां इस साल 20 अप्रैल को सेना के एक वाहन पर घात लगाकर किए गए हमले में पांच सैनिक शहीद हो गए थे। इसके बाद मई में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान चमरेर जंगल में सेना के पांच और जवान शहीद हो गए थे और मेजर रैंक का एक अधिकारी घायल हो गया था। इस अभियान में एक विदेशी आतंकवादी भी मारा गया था। भुखमरी झेल रहे पाकिस्तान को कश्मीर की शांति हजम नहीं होती, वह कोई न कोई आतंकी घटना जम्मू कश्मीर में करवाता रहता है ताकि वह दुनियां को दिखला सकें कि धारा 370 हटने के बाद भी कश्मीर में भारत शांति बहाल नहीं करवा सका है। इस बात के कई उदहारण हैं। इस गुरुवार को जम्मू कश्मीर के राजौरी में को बड़ा आतंकी हमला हुआ है। इस हमले में सेना के 4 जवान शहीद हो गए हैं, जबकि तीन जवान घायल हो गए हैं। अधिकारियों के अनुसार आतंकियों ने सेना की 2 गाड़ियों पर हमला कर दिया। आतंकी घात लगाकर बैठे हुए थे। भारी हथियारों से लैस आतंकियों ने सेना के वाहनों पर अटैक कर दिया। जम्मू स्थित रक्षा पीआरओ लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल के अनुसार आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में 'कड़ी खुफिया जानकारी' के आधार पर बुधवार रात को पुंछ के थानामंडी-सूरनकोट क्षेत्र में धेरा की गली के सामान्य इलाके में एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया था। इसके बाद वहां मुठभेड़ शुरू हो गई। 21 दिसंबर की दोपहर लगभग तीन बजकर 45 मिनट पर ऑपरेशन साइट पर सेना के 2 वाहन पहुंचे, जिस पर आतंकियों ने फायरिंग कर दी। इसके बाद सेना की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की गई। इस दौरान सेना के 4 जवान शहीद हो गए, जबकि तीन घायल बताए जा रहे हैं।

हाल की घटना में बताया जाता है कि जिन चार सैन्य जवानों के ऊपर घात लगाकर हमला किया गया, ये वहीं आतंकी हैं, जिन्होंने इसी साल 20 अप्रैल को भिंबर गली में सेना के काफिले पर हमला किया था। सूत्रों के अनुसार, आतंकियों ने वारदात का एक वीडियो भी बनाया है। हालांकि इसे अभी तक जारी नहीं किया गया है। इन दोनों हमलों के इलाकों का आपस में अंतर 12 किलोमीटर का है। आतंकी इसी इलाके में अक्सर आते-जाते रहे हैं। सबसे अहम बात यह है की भिंबर गली में हमला करने वाले आतंकी अब तक जिंदा थे, सुरक्षा एजेंसी के पास इसकी पुख्ता जानकारी थी।

वैसे खुफिया एजेंसियों ने इसके बारे में केंद्रीय गृह मंत्रालय को सूचित भी किया था। यह बताया गया था कि नववर्ष के आसपास आतंकी फिर से बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। तमाम इनपुट होने के बावजूद हमला हुआ, जो सुरक्षा में एक बड़ी चूक माना जा सकता है। खुफिया एजेंसियों के सूत्रों के अनुसार जिस इलाके में हमला हुआ है इसमें पिछले पांच महीनों से आतंकी घूम रहे थे। इन दहशतगर्दों ने यहां अपना पर पूरा नेटवर्क बना रखा था, जहां पर इन्होंने अपने रहने खाने-पीने, हथियार जुटाने और सेना की मूवमेंट की पल-पल की जानकारी लेने का नेटवर्क बना रखा था। आतंकियों के पास पूरी जानकारी थी कि किस समय पर सेना के फाफिले यहां से गुजरेंगे हैं।

महसूस किया जा सकता है कि पाकिस्तान परस्त आतंकियों ने कुछ समय से अपनी रणनीति में भारी बदलाव लाया है। आतंकवाद के दौर में आतंकी रिहायशी क्षेत्र के आसपास से सुरक्षा बलों पर हमले करते थे। वहीं, अब आतंकी रिहायशी इलाकों से हटकर सुनसान और जंगली इलाकों में सुरक्षा बलों को निशाना बना रहे हैं। इसका जीता जागता प्रमाण है कि गुरुवार को सुरनकोट तहसील के देहरा गली क्षेत्र के सावनी गली में आतंकियों द्वारा दो सैन्य वाहनों पर हमला किया गया।

गौरतलब है कि इस साल राजौरी, पुंछ और रियासी जिलों में मुठभेड़ों में अब तक 19 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए थे और 28 आतंकवादी मारे गए थे। इन मुठभेड़ों में कुल 54 लोग मारे गए। इससे पहले अक्टूबर 2021 में वन क्षेत्र में आतंकवादियों के दो अलग-अलग हमलों में नौ सैनिक शहीद हो गए थे। चमरेर में 11 अक्टूबर को एक जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) सहित पांच सैन्यकर्मी शहीद हुए थे, जबकि 14 अक्टूबर को एक निकटवर्ती जंगल में एक जेसीओ और तीन सैनिकों ने जान गंवाई थी। ज्ञात हो कि साल 2022 में भारी इंतजार के बाद पाकिस्तान को इंटरनेशनल संगठन फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने ग्रे लिस्ट से हटाया था। लिस्ट में वे देश होते हैं जहां टेरर फंडिंग सबसे ज्यादा होती है। आतंकियों पर कार्रवाई न करने पर देश ब्लैक लिस्ट में चला जाता है, जिसके बाद कोई भी इंटरनेशनल संस्था उस देश को लोन नहीं देती है। ग्रे लिस्ट में आने के बाद से कोई भी पाकिस्तान में अपने पैसे फंसाने से डर रहा था। ये देखते हुए उसने टैरर पर थोड़ा-बहुत एक्शन लिया और लिस्ट से बाहर आ गया, लेकिन एक बार फिर उसका बर्ताव पहले जैसा दिख रहा है। कश्मीर में आतंकी गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। हालिया एनकाउंटर कश्मीर के इतिहास में तीसरा सबसे लंबा एनकाउंटर माना जा रहा है। यानी जाहिर तौर पर आतंकी पाकिस्तान से तगड़ी ट्रेनिंग लेकर आए होंगे।

पाकिस्तान से भुखमरी की खबरें और वीडियो वायरल हो रहे हैं। वहां के अखबार डॉन के मुताबिक, मार्च 2022 तक पाकिस्तान का कुल कर्ज लगभग 43 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपए हो चुका था। इसके बाद भी आतंक के लिए पैसों का जुगाड़ हो ही जाता है। इसके एक नहीं, कई स्त्रोत हैं। मनोहर पर्रिकर इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस के अनुमान के अनुसार पाकिस्तान सिर्फ कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों पर सालाना 24 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च करता है। ये पैसे एक गुट को नहीं, बल्कि कई अलग-अलग चरमपंथी संगठनों में बांटा जाता है। सबका जिम्मा पहले से तय होता है कि कितने पैसे, किस काम पर खर्च करने हैं। इसमें कश्मीर में रह रहे लोगों का मन बदलने से लेकर उन्हें उकसाकर आतंक का हिस्सा बनाने तक कई टास्क होते हैं। इसके बाद ट्रेनिंग दी जाती है और हथियार मुहैया कराए जाते हैं। इन सब कामों पर पाकिस्तान से भारी पैसे खर्च होते हैं।अलग-अलग संस्थाएं टैरर फंडिंग को लेकर अलग आंकड़े देती हैं। जैसे कोलंबिया यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च के मुताबिक कश्मीर में आतंक फैलाने के लिए पाकिस्तान लगभग 40 करोड़ रुपए लगाता है, वहीं अमेरिकी खुफिया एजेंसी की मानें तो ये नंबर इससे कई गुना ज्यादा है। आतंकवाद सीधे-सीधे स्टेट-स्पॉन्सर्ड नहीं है। इसे इस्लामिक स्टेट से पैसे मिलते रहे। सरकार पर आरोप ये है कि वो सबकुछ जानते हुए भी नजरअंदाज करती है। उसकी नाक के नीचे ये गुट फल-फूल रहे हैं और वो एक्शन नहीं लेती। ज्ञात हो कि इस समय पाकिस्तान में आतंकी समूह प्रमुख हैं लश्कर-ए-तैयबा, लश्कर-ए-ओमर, जैश-ए-मोहम्मद, हरकतुल मुजाहिद्दीन, सिपाह-ए-सहाबा, हिजबुल मुजाहिदीन, जुंदल्ला, इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रोविंस जैसे गुट हैं। इनके अलावा कई विदेशी टैरर ग्रुप भी यहां डेरा डाले हुए हैं, जिनका संबंध इस्लामिक चरमपंथ से है। माना जाता है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी इंटर सर्विस इंटेलिजेंस की भी इसमें मिलीभगत होती है। वो भी आतंकियों को ट्रेनिंग देने का काम करती है।इसके कई सोर्स हैं। इसमें नशे का कारोबार सबसे ऊपर है। नार्कोटिक्स और टेररिज्म का गठजोड़ कुछ ऐसा है कि इसने एक नए टर्म नार्को-टेररिज्म को जन्म दे दिया।

आतंकी गुट नशे के कारोबार से ही सबसे ज्यादा कमाई करते हैं। इससे आए पैसे टैरर फंडिंग में जाते हैं। यही वजह है कि कश्मीर में नशे का कारोबार इतना फला-फूला। नब्बे के दशक से ही पाकिस्तानी आतंकी यहां के युवाओं तक नशा पहुंचाने लगे थे। इसका एक मकसद उन्हें भटकाकर अपने साथ मिला लेना था, तो दूसरा मकसद उनके दिमाग और शरीर को कमजोर करना भी रहा।फिरौती, नकली करेंसी का कारोबार जैसे कामों से भी पैसे आते हैं। कश्मीर में कई बार नकली नोटों की खेप पकड़ी जा चुकी। कश्मीर में अस्थिरता लाने के लिए पाकिस्तान से जो एक्टिविटी होती है, उसमें कुछ हिस्सा कथित चैरिटी का भी है। धर्म के लिए चैरिटी के नाम पर चरमपंथी गुट अमीरों से पैसों की वसूली करते हैं। कराची में ऐसी कई संस्थाएं हैं, जो जिहाद फंड के नाम पर पैसे मांगती हैं।

आमतौर पर आतंकी संगठन अपना उद्देश्य इस्लाम की रक्षा और दुनिया में इस्लाम के विस्तार को बताते हैं। लंबे समय तक सऊदी शक के घेरे में रहा। अमेरिका पर हुए अटैक के बाद ओसामा बिन लादेन ने पाकिस्तान में शरण ली थी। तब भी पाकिस्तान का सऊदी और आतंक से कनेक्शन साफ हो गया था। हालांकि कुछ सालों से सऊदी का पूरा ध्यान अपनी इमेज साफ करने और टूरिज्म को बढ़ाने पर है, इसलिए वो पाकिस्तान से काफी दूर दिख रहा है।

विशेष

किसानों की बुलंद आवाज़ थे चौधरी चरण सिंह

रमेश सर्राफ धमोरा
मो.: 9414255034

देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह कहते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों और खलिहानों से होकर गुजरता है। उनका कहना था कि भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं है। जिस देश के लोग भ्रष्ट होंगे वो देश कभी तरक्की नहीं कर सकता। इसीलिये देश के लोगो का आज भी मानना है कि चौधरी चरण सिंह एक व्यक्ति नहीं विचारधारा थे। चौधरी चरण सिंह ने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की थी कि किसानों को खुशहाल किए बिना देश का विकास नहीं हो सकता। उनकी नीति किसानों व गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने की थी। उन्होंने किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर बल दिया था। किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिल सके इसके लिए भी वो बहुत गंभीर रहते थे। उनका कहना था कि भारत का सम्पूर्ण विकास तभी होगा जब किसान, मजदूर, गरीब सभी खुशहाल होंगे। चौधरी चरण सिंह की गिनती हमेशा एक ईमानदार राजनेता के तौर पर की जाती है। उन्होंने जीवन पर्यन्त किसानों की सेवा को ही अपना धर्म माना और अपने अंतिम समय तक देश के गांव में रहने वाले किसानों, गरीबों, दलितो, पीड़ितों की सेवा में ही पूरी जिंदगी गुजारी। चौधरी चरण सिंह जाति प्रथा के कट्टर खिलाफ थे।

चौधरी चरण सिंह एक कुशल लेखक भी थे। उनका अंग्रेजी भाषा पर अच्छा अधिकार था। उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन भी किया। 29 मई 1987 को 84 वर्ष की उम्र में जब उनका देहान्त हुआ तो देश के किसानो ने सरकार में पैरवी करने वाला अपना नेता खो दिया था। लोगों का मानना था कि चरण सिंह से राजनीतिक गलतियां हो सकती हैं लेकिन चारित्रिक रूप से उन्होंने कभी कोई गलती नहीं की। इतिहास में उनका नाम प्रधानमंत्री से ज्यादा एक किसान नेता के रूप में जाना जाता है। चौधरी चरण सिंह ने ही भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे पहले आवाज बुलन्द करते हुये आह्वान किया था कि भ्रष्टाचार का अन्त ही देश को आगे ले जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर, 1902 को गाजियाबाद जिले के नूरपुर गांव के चौधरी मीर सिंह के घर हुआ था। बाद में उनका परिवार नूरपुर से जानी खुर्द गांव आकर बस गया था। 1928 में चौधरी चरण सिंह ने आगरा विश्वविद्यालय से कानून की शिक्षा लेकर गाजियाबाद में वकालत प्रारम्भ की। 1930 में महात्मा गांधी द्वारा नमक कानून तोडने के समर्थन में चरण सिंह ने हिण्डन नदी पर नमक बनाया जिस पर उन्हे 6 माह जेल की सजा हुई। 1940 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में भी चरण सिंह गिरफ्तार किये गये। 1942 में अगस्त क्रांति के माहौल में चरण सिंह को गिरफ्तार कर डेढ़ वर्ष की सजा हुई। जेल में ही चौधरी चरण सिंह की लिखित पुस्तक शिष्टाचार भारतीय समाज में शिष्टाचार के नियमों का एक बहुमूल्य दस्तावेज है।

चौधरी चरण सिंह खुद एक छोटे से गांव में एक किसान के घर जन्मे थे। बचपन से ही उन्होंने गांव के किसानों, गरीबों के दुखः दर्द को नजदीकी से देखा जाना था। इसलिये उन्हें उनकी समस्याओं का बखूबी अहसास था। उनको जब कभी कहीं मौका मिलता वे गांव के किसानों की सेवा करने से नहीं चूकते थे। उनके दिल में हमेशा गांव के किसान ही बसे रहते थे। चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त गांधी टोपी धारण कर महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी बने रहे। आज देश के किसान कर्ज में डूबे हुये हैं। उनको उनकी उपज का पूरा दाम नहीं मिल पाता है। अपनी खराब आर्थिक स्थिति के चलते देश में बड़ी संख्या में किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो रहें हैं। केन्द्र व राज्य सरकारें भी किसानो के भले की योजनायें बना पाने में नाकाम रही है। चुनाव के समय राजनीतिक पार्टियां किसानों को झांसा देकर उनके वोट बटोर लेती है। फिर किसी का ध्यान किसानो की समस्याओं के समाधान करने की तरफ नहीं जाता है। ऐसे में आज देश के किसानो को चौधरी चरणसिंह जैसे सच्चे किसान हितैषी नेता की जरूरत है। जो उनके हक में खड़ा होकर किसानो की आवाज बुलन्द कर सके व उनका वाजिब हक दिला सके। चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति में एक बड़े नेता थे। मगर इंदिरा गांधी के सहयोग से कुछ समय के लिये देश के प्रधानमंत्री बन कर उन्होने देश में पहली बार कांग्रेस के खिलाफ बने एक मजबूत गठबंधन को तोड़ा था। उससे उनकी प्रतिष्ठा को भी गहरा आघात पहुंचा था।

चौधरी चरण सिंह को 1951 में उत्तर प्रदेश सरकार में न्याय एवं सूचना विभाग का कैबिनेट मंत्री बनाया गया। 1952 में डॉक्टर सम्पूर्णानंद के मुख्यमंत्रित्व काल में उन्हें राजस्व तथा कृषि विभाग का दायित्व मिला। एक जुलाई 1952 को उत्तर प्रदेश में उनके बदौलत जमींदारी प्रथा का उन्मूलन हुआ और गरीबों को खेती करने के अधिकार मिले। 1954 में उन्होने किसानों के हित में उत्तर प्रदेश भूमि संरक्षण कानून को पारित कराया। चरण सिंह स्वभाव से भी कृषक थे तथा कृषक हितों के लिए अनवरत प्रयास करते रहे। 1960 में चंद्रभानु गुप्ता की सरकार में उन्हें गृह तथा कृषि मंत्री बनाया गया। उत्तर प्रदेश के किसान चरण सिंह को अपना रहनुमा मानते थे। उन्होंने कृषकों के कल्याण के लिए काफी कार्य किए। लोगों के लिए वो एक राजनीतिज्ञ से ज्यादा सामाजिक कार्यकर्ता थे। उनके भाषण को सुनने के लिये उनकी जनसभाओं में भारी भीड़ जुटा करती थी।

किसानो में चौधरी साहब के नाम से मशहूर चौधरी चरण सिंह 3 अप्रैल 1967 में पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। तब 1967 में पूरे देश में साम्प्रदायिक दंगे होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में कहीं पत्ता भी नहीं हिल पाया था। 17 फरवरी 1970 को वे दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। अपने सिद्धांतों से उन्होंने कभी समझौता नहीं किया। 1977 में चुनाव के बाद जब केन्द्र में जनता पार्टी सत्ता में आई तो मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने और चरण सिंह को देश का गृह मंत्री बनाया गया। केन्द्र में गृहमंत्री बनने पर उन्होंने अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना की। 1979 में वे उप प्रधानमंत्री बने। बाद में मोरारजी देसाई और चरण सिंह के मतभेद हो गये। 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक

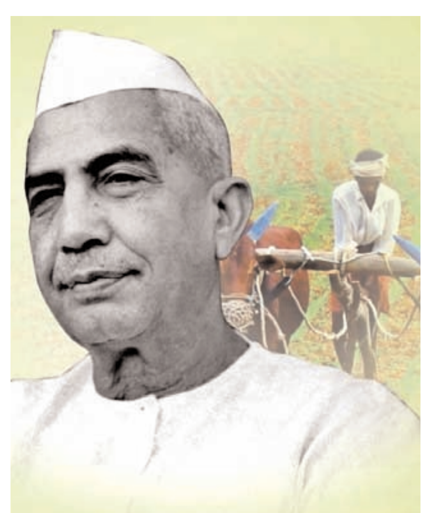

चौधरी चरण सिंह समाजवादी पार्टियों तथा कांग्रेस के सहयोग से भारत के पांचवें प्रधानमंत्री बने। अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार ने 2001 में हर वर्ष 23 दिसम्बर को चौधरी चरण सिंह की जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाने की जो परम्परा शुरू की थी उससे जरूर उनको साल में एक दिन याद किया जाने लगा है। आज किसानों की हालात को देखकर चौधरी चरणसिंह जैसे देश के बड़े किसान नेता की याद आना स्वाभाविक ही है। मौजूदा समय में चौधरी चरणसिंह जैसा नेता होता तो किसानो को उनका वाजिब हक मिलने से कोई नहीं रोक सकता था। चौधरी चरण सिंह जैसे किसानो के बड़े नेता द्धारा किसानों के हित में किए गए कार्यों को देखते हुए वर्षो पूर्व ही उनको भारत रत्न सम्मान मिलना चाहिये था। मगर सरकारों की अनदेखी के चलते अभी तक उनको उचित सम्मान नहीं मिल पाया है। नरेन्द्र मोदी सरकार को चौधरी चरण सिंह जैसे बड़े व सच्चे किसान नेता को भारत रत्न प्रदान कर सच्ची श्रृद्धांजलि अर्पित करनी चाहिए। इससे देश के करोड़ों किसानों के साथ ही सरकार का भी सम्मान बढ़ेगा।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रिपोर्ट

हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त के.श्रीनिवास रेड्डी आईपीएस अधिकारियों के साथ शुक्रवार को हैदराबाद में एक वार्षिक मीडिया सम्मेलन में एक रिपोर्ट जारी करते हुए।

नोटबंदी के बाद कांग्रेस के पंजे में चंदे की पर्ची और पाकिस्तान के दोनों हाथों में कटोरा : केशव मौर्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को कांग्रेस और पाकिस्तान की तुलना करते हुए कहा कि नोटबंदी के बाद कांग्रेस के पंजे में चंदे की पर्ची और पाकिस्तान के दोनों हाथों में कटोरा है। मौर्य ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा ''ग़ज़ब का योग है कि नोटबंदी के बाद से ही पाकिस्तान और कांग्रेस की आर्थिक हालत खस्ता होना शुरू हो गई। कांग्रेस के पंजे में चंदे की पर्ची और पाकिस्तान के दोनों हाथों में कटोरा है।'' उन्होंने तंज के अंदाज में पूछा ''यह रिश्ता क्या कहलाता है।''

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इसी वर्ष 19 मई को 2,000 रुपये के नोट को चलन से बाहर करने की घोषणा की। हालांकि इस मूल्य के नोट बैंकों में जाकर 30 सितंबर तक जमा करने या बदले जाने की छूट की भी घोषणा की गयी थी।

अयोध्या के राममंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर अमेरिका के मंदिरों में एक सप्ताह तक उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। अयोध्या में रामजन्मभूमि पर बने भव्य मंदिर में 22 जनवरी को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव सात समुद्र पार अमेरिका के मंदिरों में भी मनाया जाएगा और एक सप्ताह तक उत्सव मनाने के लिए बड़े पैमाने पर तैयारियां की जा रही हैं। मंदिरों का प्रतिनिधित्व करने वाली एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। हिंदू मंदिर इम्पाउअर्मन्ट काउंसिल (एचएमईसी) की तेजल शाह ने 'पीटीआई-भाषा' से सोमवार को की गई बातचीत में कहा, ''यह हमारा सौभाग्य और आशीर्वाद है कि हम इस घटना का हिस्सा हैं और हमारे सपनों का मंदिर सदियों के इंतजार और संघर्ष के बाद साकार हो रहा है। अमेरिका और कनाडा में सभी भावुक हैं। सभी के मन में श्रद्धा का भाव है और वे भगवान श्री राम के उनके मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का इंतजार कर रहे हैं।''

एचएमईसी अमेरिका में 1,100 हिंदू मंदिरों का शीर्ष निकाय है। उन्होंने कहा कि उत्तरी अमेरिका के छोटे- बड़े मंदिरों में सप्ताह भर चलने वाला उत्सव 15 जनवरी को शुरू होगा और अयोध्या से राम मंदिर उद्घाटन के सीधे प्रसारण के साथ संपन्न होगा। अयोध्या में राम जन्मभूमि पर बन रहे भव्य मंदिर में रामलला (भगवान राम के बाल स्वरूप) की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होगी। एचएमईसी की अध्यक्ष शाह ने कहा कि अब तक जो प्रतिक्रिया मिली है उससे उम्मीद की जा रही है कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह को हजारों लोग देखेंगे। उन्होंने कहा, '' कार्यक्रम के अंत में हम सभी संकल्प लेंगे।

ऑस्कर के लिए भेजी गयी भारत की आधिकारिक फिल्म '2018' पुरस्कार की दौड़ से बाहर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। ऑस्कर पुरस्कार के लिए अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी में भारत की ओर से आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में भेजी गयी मलयालम फिल्म ''2018 : एवरीवन इज ए हीरो'' अब इस प्रतिष्ठित एकेडमी अवॉर्ड्स की दौड़ से बाहर हो गयी है। 'एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज' (एएमपीएएस) ने शुक्रवार को कहा कि जूड एंथनी जोसेफ के निर्देशन वाली फिल्म इस श्रेणी के लिए चुनी गयीं 15 फिल्मों में अपनी जगह बनाने में नाकाम रही। इस श्रेणी में 88 देशों की फिल्में भेजी गयी थीं। चुनी गयी फिल्मों को मतदान के अगले चरण के लिए भेजा जाएगा। टोविनो थॉमस की मुख्य भूमिका वाली ''2018'' को इस साल सितंबर में 96वें ऑस्कर पुरस्कार के लिए भारत की ओर से आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में भेजा गया था। यह फिल्म 2018 में केरल में आयी विनाशकारी बाढ़ पर आधारित है। फिल्म निर्माताओं के अनुसार, इसने बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की जिससे यह मलयालम सिनेमा में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गयी थी।

जोसेफ ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि ऑस्कर जैसे वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलना किसी सपने से कम नहीं है। उन्होंने लिखा, ''मैं आप सभी को निराश करने के लिए अपने सभी शुभचिंतकों और समर्थकों से माफी मांगता हूं। फिर भी इस प्रतिस्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर एक सपने जैसा सफर रहा है जिसे मैं जीवनभर याद रखूंगा।''

फिल्म निर्माता ने लिखा, ''सबसे अधिक कमायी करने वाली और ऑस्कर में भारत की आधिकारिक प्रविष्टि किसी भी फिल्म निर्माता के करियर में एक दुर्लभ उपलब्धि है। इस असाधारण यात्रा के लिए मुझे चुनने के वास्ते ईश्वर का आभारी हूं।

'' एएमपीएएस ने नौ अन्य श्रेणियों के लिए भी चयनित फिल्मों के नाम की घोषणा की है। पिछले साल दो भारतीय फिल्मों ''आरआरआर'' और ''द एलीफेंट व्हिसपरर्स'' ने क्रमश: सर्वश्रेष्ठ ऑरिजिनल गीत और सर्वश्रेष्ठ लघु वृत्तचित्र श्रेणी में ऑस्कर पुरस्कार जीता था।

राहुल अपरिपक्व व अलोकतांत्रिक नेता, देश 'मोदी की गारंटी' पर भरोसा करता है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अपरिपक्व और अलोकतांत्रिक नेता करार दिया और यहां जंतर-मंतर पर 'इंडिया' गठबंधन के प्रदर्शन को हल्के में लेते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से लोगों को बेवकूफ बनाने के दिन लद गए हैं क्योंकि वे अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पर भरोसा करते हैं। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान सुरक्षा चूक के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन की वजह से 146 सांसदों को निलंबित किए जाने की विपक्ष द्वारा सरकार की आलोचना के बीच सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि ऐसे संवेदनशील मामले पर सभी सांसदों को एक सुर में बोलना चाहिए था लेकिन राहुल गांधी जैसे नेता इसके बजाय झूठे आरोप लगा रहे हैं। ठाकुर ने राहुल गांधी को अपरिपक्व और अलोकतांत्रिक नेता बताते हुए कहा कि 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस' के घटक दलों ने जनता के मुद्दों और महत्वपूर्ण विधेयकों पर संसद में चर्चा में भाग नहीं लिया और ऐसा लगता है कि हाल के विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार के बाद वे अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि चुनाव में हार के बाद राहुल गांधी की हताशा संसद के भीतर और बाहर उनके आचरण में दिखाई देती है।

उन्होंने कांग्रेस नेता के 'मोहब्बत की दुकान' के दावों को लेकर तंज कसते हुए कहा कि वह 'नफरत की दुकान' चलाते हैं। उन्होंने कांग्रेस के सांसद धीरज प्रसाद साहू से जुड़ी कंपनियों से 350 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी बरामद होने का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा और सवाल किया कि जिस तरह से राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की नकल की गई, तो क्या वह 'मोहब्बत की दुकान' का सबूत है या 'नफरत की दुकान'। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों का अहंकार उनके आचरण में दिखाई देता है। उन्होंने कहा, ''जंतर-मंतर पर इस तरह के प्रदर्शन से लोगों को बेवकूफ बनाने के दिन चले गए हैं क्योंकि जनता अब 'मोदी की गारंटी' में विश्वास करती है।'' ठाकुर ने 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों पर धनखड़ की मिमिक्री से संवैधानिक पदों का अपमान करने का आरोप लगाया और कांग्रेस से माफी की मांग की।

उन्होंने कहा, ''इसके बजाय सोनिया गांधी और राहुल ने होंठ सिल लिए हैं। वे माफी मांगने के बजाय झूठे आरोप लगा रहे हैं।'' उन्होंने दावा किया कि वे लोगों की नजरों में हंसी के पात्र बन गए हैं। उन्होंने कहा कि धनखड़ का अपमान करने के लिए जाट और किसान उन्हें माफ नहीं करेंगे। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान दोनों सदनों से 146 सांसदों को निलंबित किए जाने के खिलाफ विपक्षी इंडिया गठबंधन ने शुक्रवार को यहां जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया और लोगों से देश में लोकतंत्र को बचाने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। राहुल गांधी ने कहा कि 13 दिसंबर को संसद सुरक्षा चूक के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जवाब मांगने के लिए विपक्षी सदस्यों को दोनों सदनों से निलंबित कर दिया गया। उन्होंने कहा, ''भाजपा जितनी नफरत फैलाएगी, इंडिया के घटक दल उतना ही प्यार और भाईचारा फैलाएंगे।''

'मर्दानी 3' में काम करेंगी रानी मुखर्जी!

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री रानी मुखर्जी फिल्म मर्दानी में काम करती नजर आ सकती है। रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी वर्ष 2014 में प्रदर्शित हुयी। रानी मुखर्जी ने मर्दानी में एक सशक्त पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय की भूमिका निभाकर लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया था। मर्दानी की सफलता के बाद वर्ष 2019 में मर्दानी 2 बनायी गयी। चर्चा है कि अब मर्दानी 3 बनायी जा रही है। रानी मुखर्जी ने कहा, एक अभिनेत्री के रूप में मैं हमेशा मानती हूं कि हम कोई फिल्म इसलिए नहीं करना चाहते, क्योंकि वह अच्छी लगती है। हमें तब फिल्म करनी चाहिए जब स्क्रिप्ट अच्छी हो और जब हम ऐसी फिल्म बनाना चाहते हों जो बदलाव ला रही हो। यदि कहानी में वह दम नहीं है तो हम मर्दानी 3 नहीं बना सकते हैं। यह कुछ ऐसा होना चाहिए जिससे लोग आज जुड़ें, लड़कियों को यह सशक्त लगे। तभी हम मर्दानी 3 बना सकते हैं। इसे सिर्फ इसलिए नहीं करना चाहिए क्योंकि, यह रोमांचक लगता है। रानी मुखर्जी ने बताया कि मर्दानी फ्रेंचाइज की फिल्म केवल दर्शकों के प्यार की वजह से आगे बढ़ रही है, क्योंकि महिला प्रधान फ्रेंचाइज फिल्म का चलना बहुत कठिन होता है। इसे आगे बढ़ाने के लिए दर्शकों का प्यार चाहिए। जहां तक मर्दानी 3 की बात है, तो मैं खुद वापस आना चाहती हूं। हर फिल्म को एक अच्छी कहानी की तलाश होती है। मर्दानी 3 फिल्म भी ऐसी है, जिसे बनाया जाना चाहिए। लेकिन बिना अच्छी स्क्रिप्ट के इसका तीसरा पार्ट बनाने का कोई मतलब नहीं है। ऐसे में हम अच्छी स्क्रिप्ट की तलाश में हैं। जैसी ही हमें अच्छी स्क्रिप्ट मिलेगी, हम मर्दानी 3 पर तुरंत काम शुरू कर देंगे।फ्रेंचाइज फिल्म हो या फिर दूसरी कोई नई फिल्म, हर फिल्म में आपका नाम जुड़ा होता है, आप उसमें होते हैं, तो आपसे दर्शकों की एक उम्मीद जुड़ जाती है। उन उम्मीदों पर आपको खरा उतरना होता है। कलाकार की जिम्मेदारी हर फिल्म की ओर बनती है।

श्रीमद रामायण में 'हनुमान' की भूमिका निभाकर गौरान्वित हैं निर्भय वाधवा

मुंबई/वार्ता

जानेमाने अभिनेता निर्भय वाधवा सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले सीरियल श्रीमद रामायण में 'महाबली हनुमान'की भूमिका निभाकर गौरान्वित हैं। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन दर्शकों के लिए लेकर 'श्रीमद रामायण' लेकर आ रहा है, जिसका प्रीमियर 01 जनवरी, 2024 को होगा और यह हर सोमवार से शुक्रवार रात 09 बजे, सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगा। सीरियल'संकट मोचन महाबली हनुमान' समेत कई सीरियल में हनुमान की भूमिका निभा चुके निर्भय वाधवा एक बार फिर 'श्रीमद रामायण' में हनुमान की भूमिका निभा रहे हैं।

निर्भय वाधवा ने कहा,मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे महाबली हनुमान की भूमिका फिर निभाने का मौका मिला है। भगवान हनुमान के साथ मेरा दिव्य संबंध है, और मैं इस जीवन से भी बड़ी भूमिका को फिर से निभाने का अवसर पाकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। महाबली हनुमान, भगवान राम के सबसे महान भक्त हैं और यह भक्ति उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। मैं सोनी टीवी और स्वास्तिक प्रोडक्शन का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जिन्होंने मुझे 'श्रीमद रामायण' में महाबली हनुमान का किरदार निभाने का अवसर दिया। मैं विशेष तौर पर इसके लिये स्वस्तिक प्रोडक्शंस के संस्थापक और श्रीमद रामायण के निर्माता सिद्धार्थ कुमार तिवारी को आभार प्रकट करना चाहता हूं जो दर्शकों के लिये इतना बड़ा शो लेकर आये।श्रीमद रामायण मेरे करियर का सबसे बड़ा शो होगा।हनुमान जी की भूमिका निभाकर मैं गौरान्वित हूं।

निर्भय वाधवा ने कहा, जब आप हनुमान जी किरदार निभाते है, उनका गेटअप धारण करते हैं तो आपकी सारी मुश्किलें दूर हो जाती है। आप पॉजिटिव हो जाते हैं। कहते हैं कि जय श्री राम बोलने से सारी तकलीफ दूर हो जाती है। यह सच है, मैंने अपने लाइफ मे ये सब चीजें महसूस की है। श्रीमद रामायण में काफी डिटेल के साथ काम किया गया है।श्रीमद रामायाण युवाओं को बेहद पसंद आयेगी। श्रीमद रामायाण देखने के बाद लोगो में बड़ो का आदर करने की भावना अंदर आयेगी। यह शो सिखाएगा कि बड़ों का सम्मान कैसे करें।श्रीमद रामायण में हनुमान जी के किरदार में हर बारीक से बारीक पहलुओं का ध्यान रखा गया है। इस किरदार को फिर से निभाना मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रहा।

प्रदर्शन

नई दिल्ली में आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन नेताओं ने शुक्रवार को नई दिल्ली में जंतर-मंतर पर 143 भारतीय दलों के सांसदों के निलंबन के विरोध में धरना दिया।

बिसलरी की ग्लोबल ब्रांड एम्बेसेडर बनी दीपिका पादुकोण

मुंबई/वार्ता

मिनरल वाटर ब्रांड बिसलरी ने नये कैम्पेन बिसलेरी डिंकअपमें दीपिका पादुकोण को अपना पहला ग्लोबल ब्रांड एम्बेसेडर बनाया है। विज्ञापन फिल्म में दीपिका मशहूर गाने 'झूम झूम झूम बाबा' पर नये अंदाज़ में थिरकती नजर आयेंगी। इस दौरान वह ताजगी पाने के लिये 'पानी'पीती दिखाई देंगी। दीपिका पादुकोण को ब्रांड एम्बेसेडर बनाने पर अपनी बात रखते हुए, बिसलरी इंटरनेशनल प्रा. लि.की वाइस चेयरपर्सन जयंती चौहान ने कहा,हमारा नया कैम्पेन बिसलेरी ड्रिंकअप पहली बार दीपिका पादुकोण के मशहूर अंदाज में मजा और रोमांच लेकर आ रहा है। हम दीपिका पादुकोण को अपनी पहली ग्लोबल ब्रांड एम्बेसेडर बनाकर उत्साहित हैं। उनका काम और वैल्यूज़ हमारी ब्राण्ड फिलोसॉफी से मेल खाते हैं। उनके साथ हम अपने ब्राण्ड की नये जमाने में तरक्की दिखा सकते हैं। हमें विश्वास है कि यह कैम्पेन सभी को पसंद आएगा और लोग बिसलरी के साथ अपनी प्यास बुझाने का मजा लेंगे।

दीपिका पादुकोण ने बिसलरी की ग्लोबल एम्बेसेडर बनने पर अपना उत्साह दिखाते हुए कहा,'मैं बिसलरी जैसे मशहूर ब्रांड के साथ जुड़कर बहुत खुश हूं। बिसलरी इंटरनेशनल प्रा. लि. के मार्केटिंग हेड तुषार मल्होत्रा ने कहा,''बिसलेरी ड्रिंकअपकैम्पेन हमारे ब्रांड को आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे ब्राण्ड के प्रति लोगों का प्यार बढ़ेगा और हमारे उपभोक्ता रोमांचक चर्चाओं में शामिल होंगे। बिसलेरी ड्रिंकअपकैम्पेन को निर्वाणा फिल्म्स ने शूट किया है और इसका निर्देशन प्रकाश वर्मा ने किया है।

जम्मू-कश्मीर : पुंछ में आतंकवादियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान जारी

पुंछ/जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में बृहस्पतिवार को हथियारों से लैस आतंकवादियों द्वारा सेना के दो वाहनों पर घात लगाकर किए गए हमले में पांच सैनिकों के शहीद होने तथा दो अन्य के घायल होने के बाद सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को इलाके के वन क्षेत्र में व्यापक घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया तथा राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की एक टीम ने वहां का दौरा किया।

अधिकारियों ने बताया कि '16वीं कोर' के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन ने इलाके का दौरा किया तथा सेना और पुलिस के शीर्ष अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की। 'व्हाइट नाइट कोर' या '16वीं कोर' ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, भारतीय सेना और व्हाइट नाइट कोर कल सुरनकोट में आतंकवाद के संकट से लड़ते हुए शहीद सैनिकों की बहादुरी और सर्वोच्च बलिदान को सलाम करती है।

एक अधिकारी ने कहा कि इलाके की हवाई निगरानी भी की जा रही है तथा आतंकवादियों का पता लगाने के लिए श्वान दस्ते को भी लगाया गया है।

एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'इलाके में रात की घेराबंदी के बाद आज सुबह व्यापक घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि अभियान अभी भी जारी है। उन्होंने कहा कि गोलीबारी में शामिल आतंकवादियों का पता लगाने के लिए क्षेत्र में अतिरिक्त सुरक्षा बलों को भी तैनात किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार को सैन्यकर्मियों को एक घेराबंदी और तलाशी अभियान स्थल पर ले जा रहे वाहनों पर सुरनकोट थाना क्षेत्र में ढेरा की गली और बुफलियाज के बीच धत्यार मोड़ पर अपराह्न करीब पौने चार बजे हमला किया गया। उन्होंने बताया कि ढेरा की गली (डीकेजी) रोड को यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। सेना और पुलिस के शीर्ष अधिकारी जमीनी हालात पर नजर बनाए हुए हैं। माना जा रहा है कि तीन से चार की संख्या में हथियारबंद आतंकवादियों ने पहाड़ों से सेना के वाहनों को निशाना बनाने के लिए इस क्षेत्र को चुना। अधिकारियों ने बताया कि हमले के बाद आतंकियों ने कथित तौर पर कम से कम दो सैनिकों के शवों को क्षत-विक्षत कर दिया और उनमें से कुछ के हथियार लूट लिए।

रक्षा विशेषज्ञों ने शुक्रवार को कहा कि राजौरी-पुंछ क्षेत्र में आतंकी घटनाओं में वृद्धि चिंताजनक है। रक्षा विशेषज्ञ कर्नल एस. एस पठानिया ने कहा, यह चिंता का विषय है। पिछले दो महीनों में यह दूसरी घटना है। यह क्षेत्र हाल तक शांतिपूर्ण था। पिछले दो वर्षों के दौरान यहां 35 सैनिक शहीद हुए हैं। ऐसा क्यों हो रहा है? आतंकवादियों का हौसला इतना क्यों बढ़ गया है?

रक्षा विशेषज्ञ कैप्टन (सेवानिवृत्त) अनिल गौड़ ने कहा कि पाकिस्तान इन घटनाओं की साजिश रचकर इस क्षेत्र में आतंकवाद को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, आतंकवाद से हम जिस तरह निपट रहे हैं, उसमें कुछ खामियां हैं। अब समय आ गया है कि क्षेत्र की खुफिया और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाए और कठिन इलाकों में सभी आतंकवादियों को खत्म किया जाए।

धनखड़ ने खरगे को लिखा पत्र, कार्यवाही बाधित होने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को लिखे एक पत्र में कहा है कि आसन से स्वीकार न की जा सकने वाली मांग करके सदन को पंगु बना देना दुर्भाग्यपूर्ण और जनहित के खिलाफ है।

सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि धनखड़ ने खरगे को पत्र लिखकर कहा है कि संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान कांग्रेस नेता का उनसे मिलने से इनकार करना संसदीय परंपराओं के अनुरूप नहीं है।

राज्यसभा की कार्यवाही निर्धारित समय से एक दिन पहले ही बृहस्पतिवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी।

संसद की सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर उच्च सदन में विपक्षी सांसदों ने बार-बार विरोध प्रदर्शन किया। वे 13 दिसंबर की घटना के मद्देनजर संसद की सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर चर्चा कराने और इस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहे थे।

विरोध प्रदर्शन के कारण 46 सांसदों को सत्र के लिए सदन से निलंबित कर दिया गया था। तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओब्रायन के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया गया और मामले को विशेषाधिकार समिति के पास भेज दिया गया।

पत्र का हवाला देते हुए सूत्रों ने कहा कि धनखड़ ने इस बात पर 'दुख' जताया कि सदन का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए खरगे के साथ बैठक करने के उनके प्रयासों को कांग्रेस नेता का समर्थन नहीं मिला। धनखड़ ने कहा कि संसदीय तंत्र के अनुसार पीठासीन अधिकारी के साथ बातचीत उच्च प्राथमिकता है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

अहिंसा धर्म परमात्मा का धर्म है। जहां पर अहिंसा है, वहां पर अमृत है, जहां पर हिंसा है वहां पर विष है, जहां पर अहिंसा की प्राण-प्रतिष्ठा होती है वहां का वातावरण भय मुक्त हो जाता है। परमात्मा में परमाणुओं का दिव्य प्रभाव हुआ करता है, बकरी और शेर भी एक साथ बैठकर निर्भय होकर परमात्मा की वाणी को श्रवण करते थे। जहां पर अहिंसा, करुणा और मानवता की भावना होती है वहां पर उनका जीवन धन्य हो जाता है। अहिंसा की प्रतिमूर्ति थी साध्वीश्री यंशकवरजी।

मद्रास रेजिमेन्ट सेना के जवान दिन रात लगे है बाढ़ राहत कार्य में

- 140 लोगों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया
- 3 हजार से अधिक लोगों को बांटे खाने के पैकेट्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तूतूकोड़ी। गत दिनों तूतूकोडी और तामर परणी नदी के आसपास के क्षेत्र में असमय आई भारी बारिश के कारण क्षेत्र में बाढ़ के हालात बन गए। आसपास के लोग व सेना के लोग इन बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य में लगे हुए है। मद्रास रेजिमेंट सेंटर वेलिंगटन नीलगिरि के एक सेना दस्ता तूतूकोडी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य कर रहा है। फौजी डिजास्टर रिलीफ टीम दिन रात मेहनत कर रही है। इस टीम ने 26 नागरिकों को स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराई। 3000 खाने के पैकेट्स ,वितरित किए गए। अब तक रिलीफ टीम ने पानी में फंसे 140 लोगों को बचाकर सुरक्षित जगह पर पहुंचाया।

जीतो साउथ महिला विंग ने महिलाओं के लिए आयोजित की व्यवसायिक कार्यशाला

'बिजनेस ऑन पिन्टरेस्ट' विषयक कार्यशाला में शामिल हुई सैंकड़ों सदस्याएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो महिला विंग साउथ द्वारा स्किल डेवलपमेंट के अंतर्गत बिजनेस ऑन पिन्टरेस्ट कार्यक्रम का आयोजन जीतो ऑफिस चामराजपेट में किया गया। मंगलाचरण व दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम शुभारम्भ हुआ। अध्यक्षा सुनीता गांधी ने सभी का स्वागत करते हुए महिलाओं के स्वावलम्बन को आवश्यक बताया। जीतो के अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने बताया कि आज की महिला जितनी सक्षम गृह कार्यों में है उतना ही अपनी व्यापार कुशलता भी सिद्ध करने लगी हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में टेक्नोलॉजी सीखना आवश्यक है और महिला विंग ने इस ओर कदम बढाते हुए इस कार्यशाला कर रही है जो कि सराहनीय है। मुख्य सचिव मोनिका पिरगल ने कहा कि आज हर कोई मोबाइल पर इतना समय बिता रहा है, तो क्यों न इस समय का उपयोग विभिन्न प्लेटफार्मों जैसे कि पिन्टरेस्ट पर अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए किया जाए। उन्होंने कहा कि पिन्टरेस्ट से अपने बिजनेस में रुचि बढ़ाएं। पिन्टरेस्ट द्वारा हर क्षेत्र में जानकारी हासिल की जा सकती है तथा देश के साथ-साथ विदेशों तक व्यवसाय को बढ़ाया जा सकता है। पिन्टरेस्ट का उपयोग करने में आज भारत का विश्व में तीसरा स्थान है। जागरूकता आने पर प्रथम स्थान भी शीघ्र प्राप्त कर सकता है।

वक्ता का परिचय सहसंयोजिका प्रिया गांधी ने दिया। वक्ता सुमन धोका ने बड़ी ही सरल शब्दों से पिंटरेस्ट का उपयोग करते हुए अपने व्यापार में बिक्री करने के तरीके सिखाए। पिंटरेस्ट से घर बैठे बैठे विदेश में बिजनेस करना और दूर तक पहुंचना की राह बताई।

छोटी छोटी जानकारियां दी गईं व टेक्नो वर्ल्ड की दुनिया में लाभ बताए गए। स कार्यक्रम में लगभग 100 सदस्याओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की संयोजिका निधि पालरेचा ने धन्यवाद दिया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष प्रभा गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष भारती छाजेड़, सहसचिव नीलम ललवानी, कार्यकारिणी सदस्य प्रतिमा, नीलम सांड, निशा टुकलिया आदि उपस्थित थीं। मुख्य सचिव मोनिका पिरगल ने कार्यक्रम का संचालन किया ।

एमजीएम हेल्थकेयर के डॉक्टरों ने सात वर्षीय बच्ची की ब्रेन सर्जरी में पाई सफलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के अमंजिकरै स्थित प्रसिद्ध मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल एमजीएम हेल्थ केयर के डॉक्टरों द्वारा आंध्र प्रदेश से आई सात वर्ष की बच्ची की दुर्लभ बीमारी लैटरल मोया मोया सिंड्रोम के इलाज के लिए ब्रेन बाईपास (सेरेब्रल रिवास्कुलराईजेसन) सर्जरी कर बच्ची को नया जीवन देने में सफलता प्राप्त की है। यह दुर्लभ बीमारी कम उम्र के 10 लाख बच्चों में से किसी एक बच्चे में होती है। श्रीविद्या (बदला हुआ नाम) को आंध्र प्रदेश से इसी वर्ष सितंबर माह में स्ट्रोक और दिल के दौरे पड़ने के कारण लंबी बेहोशी की हालत में अस्पताल लाया गया था। डॉक्टरों द्वारा बच्ची के गहन जांच के उपरांत न्यूरोसर्जरी निदेशक डॉक्टर रुपेश कुमार की टीम द्वारा सेरेब्रल एंजियोग्राम किया गया तथा रक्त प्रवाह को दुरुस्त करने के लिए रोगी के मस्तिष्क में डाई इंजेक्ट किया गया। इस परीक्षण के द्वारा डॉक्टरों की टीम ने दुर्लभ बीमारी मोया मोया सिंड्रोम का उपचार करने में सफलता प्राप्त की।

ज्ञातव्य है कि मोया मोया सिंड्रोम रोग छोटे बच्चों में अधिकांश देखा जाता है इस रोग में मस्तिष्क की सामान्य रक्त नलिकाएं संकीर्ण हो जाती हैं जिससे रक्त का संचरण अवरुद्ध हो जाता है, ऐसी स्थिति में बच्चों को मिनी स्ट्रोक, एन्यूरिज्म, या मस्तिष्क में रक्तस्राव होने लगता है जिससे मस्तिष्क का कार्य प्रभावित होता है जिसके कारण बच्चों में संज्ञानात्मक तथा विकासात्मक देरी या विकलांगता भी हो सकती है। एमजीएम हेल्थ केयर हॉस्पिटल की न्यूरो सर्जरी संस्थान के निदेशक डॉक्टर रुपेश के नेतृत्व में डॉ. सरनयन, डॉ. हरिश्चंद्र सलाहकार न्यूरोसर्जरी डॉ.बाबू आर तथा डॉ. राजेश मेनन द्वारा इस जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

सर्जरी के बारे में बोलते हुए अस्पताल के सर्जरी निदेशक डॉ. रुपेश कुमार ने बताया कि यह सर्जरी बहुत जटिल थी जब बच्ची को अस्पताल लाया गया था तब बच्ची पूर्णतया बेहोश की स्थिति में थी । हमारी टीम ने बच्ची की रोग का पता लगाया तब हमें पता चला कि यह लेटरल मोया मोया सिंड्रोम है। बच्ची की रक्त नलिकाएं काफी संकीर्ण थी हमने रक्त परिसंचरण में सुधार के लिए ब्रेन सर्जरी करने का फैसला लिया जिसके कारण बच्ची अब पूरी तरह से ठीक है और पहले की तुलना में अधिक सक्रिय है। एमजीएम हेल्थ केयर के ग्रुप सीईओ हरीश मनीयन ने कहा कि इस ब्रेन पास बाईपास सर्जरी के सफल परिणाम चिकित्सा विशेषज्ञ तथा उन्नत बुनियादी ढांचे के बीच बेहतर तालमेल को उजागर करते हैं।

अदम्य साहस की प्रतिमूर्ति थी साध्वीश्री यंशकवर : साध्वी सुंधाकवर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के जैन स्थानक में विराजित साध्वीश्री यंशकवरजी की शिष्या साध्वीश्री सुंधाकवरजी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि अहिंसा धर्म परमात्मा का धर्म है। जहां पर अहिंसा है, वहां पर अमृत है, जहां पर हिंसा है वहां पर विष है, जहां पर अहिंसा की प्राण-प्रतिष्ठा होती है वहां का वातावरण भय मुक्त हो जाता है।

परमात्मा में परमाणुओं का दिव्य प्रभाव हुआ करता है, बकरी और शेर भी एक साथ बैठकर निर्भय होकर परमात्मा की वाणी को श्रवण करते थे। जहां पर अहिंसा, करुणा और मानवता की भावना होती है वहां पर उनका जीवन धन्य हो जाता है। अहिंसा की प्रतिमूर्ति थी साध्वीश्री यंशकवरजी।

साध्वीश्री ने कहा कि बाहरवीं शताब्दी से चली आ रही पशु बलियों को साध्वीश्री यशकंवरजी ने बंद करवाया था। उनके दिल में अहिंसा का वास था। वे अभय की मूर्ति थी। साध्वी विजयप्रभाजी ने क़हा कि जीवन को अहिंसा परमो धर्म की तरह जीना चाहिए।

जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ ने दीक्षार्थी योगिता सुराणा का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु के तत्वावधान में दीक्षार्थी योगिता सुराणा का सम्मान समारोह स्वाध्याय भवन में किया गया। संघाध्यक्ष प्रेमकुमार कवाड ने स्वागत भाषण दिया। वीर परिवार से शशि कांकरिया, सोनल सुराणा, निशा सिसोदिया ने संयम चालीसा की स्तुति की। अभिनन्दन समारोह का संचालन करते हुए श्रावक संघ के कार्याध्यक्ष नरेन्द्र कांकरिया ने दीक्षार्थी के प्रति आभार जताया। उन्होंने बताया कि दीक्षार्थी योगिता सुराणा के संग खुशी चोपडा, रिद्धि बाफना,नेहा जैन की भागवती दीक्षा आचार्यश्री हीराचंद्रजी म.सा के मुखारविन्द से 16 जनवरी को सम्पन्न होगी।

शकुन्तला संकलेचा, शासन सेवा समिति के सदस्य गौतमराज सुराणा संघ के पूर्व मंत्री जवाहरलाल कर्णावट, वीरमाता ताराबाई बागमार, श्राविका मण्डल सचिव शोभा चोरडिया ने संयम की महिमा गाई।

पूर्व मंत्री ज्ञानचंद बागमार ने संयम का विश्लेषण व योगिता सुराणा का गुणानुवाद करते हुए जीवन परिचय प्रस्तुत किया। सुराणा परिवार क सदस्यों का भी सम्मान किया गया। दीक्षार्थी ने दीक्षा क्यों आवश्यक विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि संयम एक युद्ध अपने ही विरुद्ध है। आगम वर्णित गाथा का उल्लेख करते हुए कहा कि इच्छाओं का कोई अंत नहीं, इच्छा आकाश सम अनंत हैं,अपने स्वयं पर संयम ही शांति व मोक्ष का एकमात्र उपाय हैं।

दीक्षार्थी ने तप-प्रत्याख्यान कराते हुए मंगल पाठ सुनाया। धर्मसभा में आवडी, पुन्नमली, शेनायनगर, अमजीकरे, किलपाक, कुरुकपेट, अयनावरम,एमसी रोड आदि अनेक क्षेत्रों से श्रद्धालु शामिल हुए।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

धर्म पवित्रता का प्रतीक तथा पवित्रता संतोष के माध्यम से आती है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिगांव। साध्वियों के दर्शनार्थ आए श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए साध्वीश्री भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि हम जानते ही हैं कि लालची जीव किसी भी अवस्था में संतुष्टि को प्राप्त नहीं होता वह तो सदैव ही असंतुष्ट रहता है और असंतुष्ट जीव की आशाएं, अपेक्षाएं और संसार कभी ख़त्म नहीं हो सकते। धर्म पवित्रता का प्रतीक है। यह पवित्रता संतोष के माध्यम से आती है। लोभ से इच्छा और इच्छा से तृष्णा बढ़ती है जिसकी पूर्ति कर पाना कभी संभव नहीं है। साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि कितनी भी नदियां पहुंच जाएं फिर भी समुद्र प्यासा रहता है। कितना भी भोजन किया जाए फिर भी पेट खाली रहता है, अनगिनत शवों को भस्म करने के बाद भी श्मशान भूखा है। इसी तरह तृष्णा की खाई भी रिक्त ही रहती है। लोभ की पूर्ति संसार में कभी हो ही नहीं सकती, इसलिए ज्ञानी पुरुष संतोष भावना के निर्मल जल से मन में उपजे लालच के मैल को दूर करते है। लोभ का प्रकार है वित्तेषणा, यह है धन-पैसे का लोभ । धन कितना ही बढ़ जाए कम ही मालूम होता है। धन का लोभ कभी रुकता नहीं है, बढ़ता ही चला जाता है। पारस भंसाली ने बताया कि साध्वीवृंद हुब्बल्ली की ओर विहाररत है।

देव-गुरु की भक्ति शांति का राजमार्ग है : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

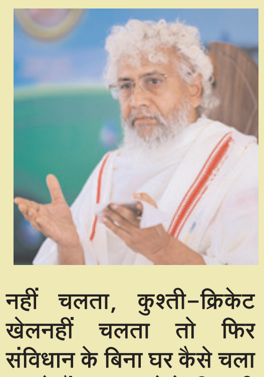

सागर। शहर के कुंथुनाथ जैन मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मनुष्य सुबह से शाम तक काम करते नहीं थकता, जितना चिंता, तनाव, क्रोध के कारण घडी दो घड़ी में थकता है। आज का मानव सुखी होने के लिए मकान बदलता है, कपडे बदलता है, गाड़ी बदलता है और मोबाइल बदलता है फिर भी दुःखी रहता है क्योंकि वह अपना स्वभाव नहीं बदलता है। व्यक्ति को अपने स्वभाव पर काबू रखना सीखना चाहिए, इससे दूसरे भी उसके काबू में रहेंगे। बात और विवाद को सुलझाने के लिए समझशक्ति से ज्यादा धीरजशक्ति की अधिक आवश्यकता होती है। संविधान अर्थात नियमों के बिना देश नहीं चलता, कुश्ती-क्रिकेट खेलनहीं चलता तो फिर संविधान के बिना घर कैसे चला सकते हैं, घर चलाने के लिए भी हमें नियम बनाना चाहिए ताकि घर में शांति हो। सुख शांति कभी भी पाठ से नहीं आती, अपितु बोधपाठ से आती है। साधु सुखी इसलिए है कि वह सहन करता है, समाधान करता है और साधना करता है और समता रखता है। देव-गुरु की भक्ति शांति का राजमार्ग है। कार्यक्रम में संघ के अध्यक्ष महेन्द्र तातेड़, छगनलाल भंसाली, श्रीपाल सालेचा, सुरेश कुमार सहित अनेक श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे।

रजत जयंती वर्ष में गारोड़िया स्कूल में आयोजित हुआ दादा-दादी कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय जयगोपाल गारोडिया मैट्रिक एचआर सेकेंडरी स्कूल ने अपने रजत जयंती वर्ष के तहत 'दादा-दादी का कार्यक्रम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रुप में केंद्रीय अपराध शाखा, ग्रेटर चेन्नई निगम के सेवानिवृत्त डी. नटराजन उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना गीत से हुई तथा अतिथियों ने दीप प्रज्वलित किया। प्रधानाध्यापिका आर. हेमामालनी ने कार्यक्रम की जानकारी दी। कार्यक्रम में अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में 100 से अधिक दादा-दादी की भागीदारी रही। विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.